प्रयागराज, कानपुर, रायबरेली, कौशाम्बी, इटावा, फिरोजाबाद, कानपुर देहात, बांदा, औरैया, उन्नाव, वाराणसी, मिर्जापुर, हमीरपुर, जालौन एवं महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश मे प्रसारित

फतेहपुर संस्करण | फतेहपुर/लखनऊ से प्रकाशित | R.N.I : UPHIN/ 2011/44792

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

न्यूज़ वाणी

www.newswani.in

भाजपा में क्षत्रपों का उभार! योगी पहली पायदान पर पेज- 2

टीबी हारेगा, देश जीतेगा के नारे को करें साकार पेज- 8

वर्ष : 15 अंक : 137 | शुक्रवार 08 मई 2026 | डाक पंजीयन संख्या: एफटीपी/एल/समाचार पत्र/2025-27/106 | पृष्ठ 08 मूल्य 5.00 रूपया

ऑपरेशन सिंदूर: पीएम मोदी ने बताया भारत की दृढ़ प्रतिक्रिया का प्रतीक

सीएम योगी ने किया देश रणबांकुरों का अभिनंदन

नयी दिल्ली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ प्रतिक्रिया और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सैन्य और आतंकी ढांचे के खिलाफ सैन्य अभियान के एक वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने कहा कि एक साल बाद भी भारत आतंकवाद को हराने और उसे पोषित करने वाले तंत्र को नष्ट करने के अपने संकल्प में पहले की तरह ही अडिग है। मोदी ने कहा कि एक साल पहले भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बेजोड़ साहस, सटीकता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने पहलगाम में निर्दोष भारतीयों पर हमला करने की हिमाकत करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया और पूरा देश भारतीय बलों के शौर्य को सलाम करता है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ प्रतिक्रिया और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसने हमारे सशस्त्र बलों के पेशेवर रवैये, तैयारी और समन्वित शक्ति को उजागर किया। मोदी ने कहा कि साथ ही इस अभियान ने भारतीय सुरक्षा बलों के बीच बढ़ती एकजुटता को प्रदर्शित किया और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए किए गए प्रयासों से देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को मिली मजबूती को रेखांकित किया। ऑपरेशन सिंदूर को तीनों रक्षा बलों द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ पश्चिमी सीमा पर सात से 10 मई, 2025 तक पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए अंजाम दिया गया था। यह अभियान 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में चलाया गया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। मृतकों में अधिकतर पर्यटक थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के एक साल पूरा होने पर बृहस्पतिवार को अपने सभी सोशल मीडिया हैंडल पर डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) बदल दी। फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप पर मोदी के प्रोफाइल पिक्चर को बदलकर काली पृष्ठभूमि पर ऑपरेशन सिंदूर लिखा हुआ चित्र लगाया गया है। इस चित्र में तिरंगा है और अंग्रेजी में लिखे सिंदूर शब्द के एक ओ अक्षर में सिंदूर भरा हुआ दिखाया गया है, जो विवाहित हिंदू महिलाओं का प्रतीक है।

ऑपरेशन सिंदूर को तीनों रक्षा बलों द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ पश्चिमी सीमा पर सात से 10 मई, 2025 तक पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए अंजाम दिया गया था। यह अभियान 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में चलाया गया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। मृतकों में अधिकतर पर्यटक थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऑपरेशन सिंदूर का एक साल पूरा होने पर देश की जनता को बधाई देते हुए बृहस्पतिवार को भारत के सशस्त्र बलों की सराहना की। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में आदित्यनाथ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एकता, अदम्य इच्छाशक्ति और असाधारण शौर्य को दर्शाता है, साथ ही यह देश की स्पष्ट राष्ट्रीय सुरक्षा नीति को भी प्रदर्शित करता है। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स अकाउंट की डिस्प्ले पिक्चर की जगह ऑपरेशन सिंदूर का स्टिकर भी लगाया। उन्होंने पोस्ट में कहा, 145 करोड़ भारत वासियों की एकजुटता, अदम्य इच्छाशक्ति, सशस्त्र सेनाओं के असाधारण पराक्रम और भारत की स्पष्ट नीति की गौरवशाली अभिव्यक्ति ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूर्ण होने पर देश वासियों को हार्दिक बधाई एवं भारतीय सेना के रणबांकुरों का हृदयतल से अभिनंदन। मुख्यमंत्री ने इसी संदेश में आगे कहा, यह ऑपरेशन नए भारत के आत्मविश्वास, साहस और निर्णायक नेतृत्व का सशक्त प्रतीक है। इसने विश्व को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से कोई समझौता नहीं करता। उन्होंने कहा, हमारे वीर जवानों का शौर्य, त्याग और तप ही भारत की अजेय शक्ति है। राष्ट्र सदैव उनका ऋणी रहेगा। यह विजयगाथा केवल इतिहास नहीं, भविष्य की प्रेरणा है। जय हिंद! ९ जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पिछले साल 22 अप्रैल को हुए एक आतंकवादी हमले में 26 पर्यटकों की हत्या कर दी गई थी। उसके बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने छहध्सात मई की रात को श्ऑपरेशन सिंदूरश शुरू करते हुए नौ आतंकवादी ठिकानों पर समन्वित और सटीक मिसाइल हमले किए। इनमें चार पाकिस्तान में (बहावलपुर तथा मुरीदके सहित) और पांच पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर के मुजफ्फराबाद और कोटली में स्थित थे। ये स्थान जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के प्रमुख कमांड सेंटर थे, जो पुलवामा (2019) तथा मुंबई (2008) जैसे बड़े हमलों के लिए जिम्मेदार थे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत के अडिग इरादों का ऐलान बताते हुए इसमें शामिल भारतीय सेना के जवानों को नमन किया है। भाजपा ने सोशल मीडिया एक्स पर गुरुवार को लिखा, वो सिर्फ एक ऑपरेशन नहीं था, भारत के अडिग इरादों का ऐलान था। श्ऑपरेशन सिंदूरश की पहली वर्षगांठ पर उन वीरों को नमन, जिन्होंने दुश्मन को जवाब नहीं, संदेश दिया और उस संदेश की गूंज दुनिया ने सुनी। जय हिंद! ९ गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर भारतीय सेना ने सात मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था और पाकिस्तान में स्थित आतंकवादियों के कई ठिकानों को नष्ट कर दिया था। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर सशस्त्र बलों की उपलब्धियों को नमन कर उस दौरान सरकार की नीतियों की आलोचना की है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को यहां एक बयान में कहा, आज ऑपरेशन सिंदूर के लॉन्च की पहली वर्षगांठ है और यह अवसर सशस्त्र बलों के साहस, पराक्रम और पेशेवर क्षमता को सम्मान देने का है, लेकिन इसके साथ ही कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों को भुलाया नहीं जा सकता और उनको याद रखना भी जरूरी है।

सही जनगणना से ही सुनिश्चित होगा समग्र और समावेशी विकास : योगी

(एजेंसी) लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रदेश में जनगणना-2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 'हमारी

जनगणना, हमारा विकास' की भावना के साथ मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना भर नहीं है, बल्कि समग्र, समावेशी और सुनियोजित विकास का सशक्त आधार है। आज का युग डेटा आधारित निर्णयों का है और जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़े आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जनगणना यह सुनिश्चित करने का माध्यम है कि विकास की धारा में समाज का अंतिम व्यक्ति भी समान रूप से सहभागी बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में पहली बार डिजिटल जनगणना कराई जा रही है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्य संपादित होंगे। आमजन को 07 मई से 21 मई, 2026 तक स्वगणना का विकल्प उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके उपरांत फील्ड कार्य के अंतर्गत जनगणना कार्मिक घर-घर जाकर सूचीकरण का कार्य करेंगे। द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। इस बार जनगणना में जातीय गणना को भी सम्मिलित किया गया है। साथ ही पहली बार वन ग्रामों को भी जनगणना प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में रियल टाइम डेटा अत्यंत आवश्यक है। डिजिटल तकनीक के उपयोग से जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्वरित बनाया गया है। इसके लिए एक विशेष जनगणना पोर्टल विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से ग्राम एवं वार्ड स्तर तक कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या लगभग 25 करोड़ 70 लाख है। जनगणना कार्य प्रदेश के 18 मंडलों, 75 जनपदों, 350 तहसीलों, 17 नगर निगमों, 745 अन्य नगरीय निकायों, 21 छावनी परिषदों, 57,694 ग्राम पंचायतों तथा लगभग 1 लाख 4 हजार राजस्व ग्रामों में संपादित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस व्यापक कार्य के सफल संचालन हेतु लगभग 5.47 लाख कार्मिकों की तैनाती की जा रही है, जिनमें 4.50 लाख प्रगणक, 85 हजार सुपरवाइजर तथा 12 हजार राज्य एवं जनपद स्तरीय अधिकारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 5.35 लाख कार्मिकों को दोनों चरणों के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से जनगणना को राष्ट्रीय दायित्व मानते हुए सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति केवल एक ही स्थान पर अपनी गणना कराए तथा सही और तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराए, ताकि विकास योजनाओं की सटीक एवं प्रभावी रूपरेखा तैयार की जा सके। मुख्यमंत्री ने जनगणना कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को शुभकामनाएं भी दीं।

दीदी भाजपा की आंखों में खटकती हैं, ममता बनर्जी से मिलने के बाद बोले- अखिलेश यादव

(एजेंसी) कोलकाता। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने गुरुवार को

ममता बनर्जी से मुलाकात की। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद ममता से अखिलेश की ये अहम मुलाकात हुई है। इस दौरान ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी भी मौजूद रहे। बैठक के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की आंखों में दीदी खटकती हैं। ये (बीजेपी वाले) नारी को कभी बढ़ते हुए नहीं देख सकते। अखिलेश ने हालिया विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि बंगाल में जो हुआ है, लोकतंत्र को नष्ट करने का रास्ता निकाला है। लोकतंत्र को इतना नुकसान किसी ने नहीं पहुंचाया होगा, जितना भाजपा ने पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि यहां मतदान हुआ जरूर है, लेकिन लोगों ने अपनी इच्छा से कम, दबाव में ज्यादा मतदान किया है। अखिलेश ने कहा कि मैंने बंगाल के चुनाव को बेहद करीब से देखा है। भारतीय जनता पार्टी की भाषा देखिए। जो उन्होंने बंगाल में किया है, उससे कम उत्तर प्रदेश में किया। लेकिन ट्रायल वहीं पर किया। उन्होंने एक तस्वीर दिखाते हुए कहा कि ये उत्तर प्रदेश में उपचुनाव की तस्वीर है। मुझे यकीन है कि बंगाल में इससे भी ज्यादा खतरनाक तस्वीरें आई होंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपी के उस उपचुनाव में फोर्स लगाकर लोगों को वोट डालने से रोका गया था। लोगों को चिह्नित कर करके वोट नहीं डालने दिया गया था। जो समाजवादी पार्टी के वोटर थे, उन्हें वोट डालने से रोका गया।

दाऊदी बोहरा केस में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

-धार्मिक मामलों पर सवाल उठने लगे तो सैकड़ों याचिकाएं आ जाएंगी

(एजेंसी) नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अगर लोग धार्मिक प्रथाओं या ध र्म से जुड़े मामलों पर सांविध ानिक अदालत में सवाल उठाने लगेंगे, तो सैकड़ों याचिकाएं अलग-अलग रीति-रिवाजों पर आने लगेंगी, जिससे धर्म और सभ्यता दोनों पर गंभीर असर पड़ सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की संविधान पीठ इस समय उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिनमें धर्मस्थलों पर महिलाओं के साथ कथित भेदभाव का मुद्दा उठाया गया है। इनमें केरल का सबरीमाला मंदिर का मामला भी शामिल है। इसके साथ ही विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और उसकी सीमाओं पर भी विचार किया जा रहा है, जिनमें दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़े मामले भी हैं। इस पीठ में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत के साथ न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले, न्यायमूर्ति आर महादेवन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची शामिल हैं। दाऊदी बोहरा समुदाय की केंद्रीय संस्था ने 1986 में एक जनहित याचिका दायर की थी। जिसमें 1962 के उस फैसले को हटाने की मांग की थी, जिसमें बंबई बहिष्कार निवारण अधिनियम 1949 को रद्द कर दिया गया था। इस कानून के तहत किसी भी समुदाय के सदस्य को समाज से बाहर करने को अवैध माना गया था। 1962 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले

में कहा गया था कि दाऊदी बोहरा समुदाय के धर्म के अनुसार, उनके धर्मगुरु किसी सदस्य को धार्मिक कारणों से समुदाय से बाहर कर सकते हैं। इसे उनके धर्म का हिस्सा माना गया था। इसलिए 1949 का कानून उस समय संविधान के अनुच्छेद 26(बी) के तहत दिए गए धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन माना गया, जो इस तरह के बहिष्कार को गैरकानूनी बनाता था। वरिष्ठ वकील राजू रामचंद्रन बदलाव चाहने वाले दाऊदी बोहरा समूह की ओर से पेश हुए। उन्होंने कहा कि यदि कोई प्रथा किसी व्यक्ति के सामाजिक या गैर-धार्मिक आचरण के कारण की जाती है, तो उसे संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत धार्मिक संरक्षण नहीं मिल सकता। उन्होंने आगे कहा कि यदि कोई प्रथा ध ार्मिक पहलू भी रखती है लेकिन वह मूल अधिकारों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है, तो उसे सांविधानिक संरक्षण से बाहर रखा जा सकता है। इस दलील पर जवाब देते हुए न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, अगर हर कोई सांविधानिक अदालत के सामने कुछ धार्मिक रीति-रिवाजों या ध र्म से जुड़े मामलों पर सवाल उठाना शुरू कर दे, तो फिर उस सभ्यता का क्या होगा, जहां धर्म भारतीय समाज से इतनी गहराई से जुड़ा हुआ है? सैकड़ों याचिकाएं होंगी जो इस अधिकार, उस अधिकार, मंदिर के खुलने और मंदिर के बंद होने पर सवाल उठाएंगी। हमें इस बात का भान है। आगे न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश ने भी कहा कि हर तरह का धर्म टूट जाएगा और हर सांविधानिक अदालत को बंद करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत एक प्रगतिशील देश है और यहां संतुलन बनाए रखना जरूरी है। अगर दो पक्षों के बीच विवाद की अनुमति दी जाती है, तो हर कोई हर बात पर सवाल उठाएगा। आपके मामले में, हो सकता है कि आपके साथ कोई गलत काम हुआ हो। लेकिन किसी दूसरे मामले में कोई दूसरा सदस्य कह सकता है कि मैं इससे सहमत नहीं हूं। यह एक पीछे ले जाने वाला कदम है। हमारे देश में, जो प्रगतिशील है और लगातार आगे बढ़ रहा है, हम किस हद तक जा सकते हैं, यही असली सवाल है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने आगे कहा कि भारत को किसी भी दूसरे इलाके से अलग क्या बनाता है, वह यह है कि इतनी सारी अलग-अलग तरह की चीजें होने के बावजूद हम एक सभ्यता हैं? उन्होंने कहा कि विविधता देश की ताकत है। हमारे भारतीय समाज में एक चीज जो हमेशा बनी रहती है, वह है इंसानों का (मर्द, औरत और बच्चे) धर्म के साथ रिश्ता। राजू रामचंद्रन ने जवाब में कहा कि भारत संविधान के आधार पर एक सभ्यता है और जो भी चीज संविधान की भावना के खिलाफ जाती है, उसे जारी नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में अदालत का दायित्व है कि वह दखल दे, न कि यह कहकर पीछे हट जाए कि बहुत सारी याचिकाएं आ जाएंगी।

तेज रफ्तार का कहर, अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, बुआ-भतीजे की मौत

(एजेंसी) सीतापुर। जिले के रामपुर कलां क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक तेज रफ्तार वाहन की टक्कर लगने से मोटरसाइकिल सवार एक युवक और उसकी बुआ की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विशाल पांडेय

(19) नामक युवक अपनी बुआ ज्ञानी देवी (60) को महमूदाबाद बाजार ले जा रहा था, तभी रास्ते में रामपुर कलां क्षेत्र में बिसवां-महमूदाबाद मार्ग पर उसकी मोटरसाइकिल को किसी तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी।

उन्होंने बताया कि विशाल और ज्ञानी देवी को गंभीर रूप से घायल हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं और टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जा रही है। फिलहाल घटना से परिजनों का रो- रोकर बुरा हाला है। पुलिस ने घटना की जानकारी पुलिस को दे दी है।

भारत फोर्ज का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 17 प्रतिशत घटकर 233.45 करोड़ रुपए

(एजेंसी) नई दिल्ली। रक्षा उपकरण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारत फोर्ज लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 17 प्रतिशत घटकर 233.45 करोड़ रुपए रहा। कंपनी को 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में 282.62 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। भारत फोर्ज ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय बढ़कर 4,528.04 करोड़ रुपए हो गई जो एक वर्ष पहले समान तिमाही में 3,852.6 करोड़ रुपए थी। इस दौरान कुल खर्च 3,483.04 करोड़ रुपए से बढ़कर 4,089.33 करोड़ रुपए हो गया। भारत फोर्ज ने कहा कि चौथी तिमाही में उसे कुल 98.73 करोड़ रुपए का असाधारण खर्च वहन करना पड़ा जिसमें अनुषंगी कंपनी में निवेश में कमी, श्रम संहिता का प्रभाव एवं उसकी जर्मन इकाई भारत फोर्ज सीडीपी जीएमबीएच के पुनर्गठन से जुड़े आकस्मिक खर्च शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 2025-26 के लिए दो रुपए अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 6.5 रुपए के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। यह आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एकीकृत शुद्ध लाभ 1,089.4 करोड़ रुपए रहा जो 2024-25 में 913.28 करोड़ रुपए था। राजस्व 15,122.8 करोड़ रुपए से बढ़कर 16,811.65 करोड़ रुपए हो गया।

सम्पादकीय

ममता-गोगोई के भविष्य के प्लॉन

पश्चिम बंगाल में भाजपा के हाथों सत्ता गंवाने के बाद भी ममता बनर्जी चुप नहीं बैठेंगी। मै नफीस जाफरी आपको यहां यह बताता चलूं कि ममता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये साफ कर दिया। उन्होंने इंडिया गठबंधन को लेकर भी अपना प्लान बता दिया है। उन्होंने साफ कहा कि इंडिया गठबंधन उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और आने वाले कुछ दिनों में इसका नतीजा सबको दिखने लगेगा। विदित हो कि भाजपा और निर्वाचन आयोग पर चुनाव में धांधली का बड़ा आरोप लगाते हुए ममता ने कहा कि उन्होंने इस तरह का चुनाव अपनी जिंदगी में कभी नहीं देखा है। इस मामले में इंडिया गठबंधन के साथी मेरे साथ हैं। मुझे कई नेताओं ने फोन किया है। ममता ने उनके नाम भी बताए। ममता ने बताया कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन ने उन्हें फोन किया और कहा कि वो पूरी तरह हमारे साथ हैं। हमें एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे और अगले कुछ दिनों में इसके नतीजे दिखने लगेंगे।

नफीस जाफरी

तो वहीं बात अब असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई की तो गौरतलब है कि असम विधानसभा चुनाव 2026 में कांग्रेस पार्टी की करारी हार की जिम्मेदारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई ने ली है। जोरहाट सीट से भाजपा के हितेंद्र नाथ गोस्वामी से विधानसभा चुनाव हारने वाले गोगई ने कहा कि ये परिणाम हमारे मनमुताबिक नहीं है। हमें लगा था कि राज्य में हम कड़ी टक्कर देंगे। कई सीटों पर रिजल्ट पर हमें विचार करना होगा। उन्होंने कहा कि 9 मई को हम सभी नवनिर्वाचित चुने विधायकों को बुलाएंगे। गौरव गोगोई ने कहा कि बतौर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष होने के नाते असम में हार की जिम्मेदारी मैं लेता हूं। नतीजे का नैतिक दायित्व मेरा है। इस चुनाव में पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत और लगन से काम किया है। मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। गोगोई ने कहा कि मैं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, जितेंद्र सिंह समेत अन्य कांग्रेस नेताओं का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मेरे ऊपर भरोसा जताया। असम कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस चुनाव में जितनी सीटों की हमें उम्मीद थी, उतनी सीटें नहीं मिल पाईं। लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। हम विधानसभा के अंदर और बाहर असम के विकास के लिए अपने सुझावों को आजमाएंगे। हम हमेशा असम के आम लोगों के साथ खड़े रहेंगे। गौरतलब है कि असम की 126 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 82 सीटों पर प्रचंड जीत मिली है और तीसरी बार सरकार बनाने का रास्ता साफ हो गया है। कांग्रेस को महज 19 सीटों से संतोष करना पड़ा है, जबकि असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) को 10–10 सीटें मिलीं हैं। अन्य दलों में एआईयूडीएफ और रायजोर दल ने 2–2 सीटें जीती हैं। तृणमूल कांग्रेस को भी एक सीट मिली है।

चेतावनी के धमाके

गाहे–बगाहे पंजाब में शांति भंग करने के अनेक कुत्सित प्रयास होते नजर आए हैं। सीमा पार से पंजाब का सुख–चैन छीनने के षडघ्यंत्र काले दौर से लेकर अब तक रुके नहीं हैं। नशे और बेरोजगारी को हथियार बनाकर भटके युवाओं को इन साजिशों का हथियार बनाने के मामले भी उजागर हुए हैं। पंजाब में हाल ही में दो धमाके हुए, पहला जालंधर में बीएसएफ चौकी के बाहर और दूसरा अमृतसर में सेना की छावनी के पास हुआ। सेना और सुरक्षा बलों को लक्षित इन हमलों के घातक मंसूबों को समझा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर समय और लक्ष्य के लिहाज से इतने करीबी हमलों के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है कि ये महज सामान्य मामले नहीं थे। अब भले ही इन धमाकों की तीव्रता कम रही हो,लेकिन इनमें गंभीर रणनीतिक चेतावनी छिपी है। वह ये कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों की हिफाजत को आंका जा रहा है। वहीं दूसरी ओर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा सैन्य क्षेत्र के पास हुए धमाकों में विस्फोटक उपकरण यानी आईडीपी के इस्तेमाल की पुष्टि करना, खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं। ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है। अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षडघ्यंत्र हो, मगर तौर–तरीका स्पष्ट है। हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका दोष भाजपा पर मढ़ा है। वहीं भाजपा आप सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह राज्य को सुरक्षा देने में विफल रही है। बहरहाल, भले ही आरोप–प्रत्यारोप का यह खेल नेताओं को राजनीतिक लाभ–हानि के गणित के अनुरूप लगता हो, मगर राज्य की सुरक्षा के नजरिये से अदूरदर्शी कदम ही कहा जाएगा। यह विडंबना ही है कि पंजाब के राजनेता अतीत के स्याह दौर की घातकता से कोई सबक नहीं सीखते हैं। राजनेताओं की संकीर्णता और दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज करके की गई बयानबाजी ही चिंगारी को आग बनाने का काम करती है। जिसकी कीमत दशकों तक पंजाब के लोगों व राज्य की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है। यह सामान्य तथ्य है कि कि जब भी इस संवेदनशील व सीमावर्ती राज्य पर कोई सुरक्षा संकट पैदा हो, उसके लिये राजनीतिक भेदभाव भुलाकर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है। टकराव की राजनीति से राज्य का अहित ही होगा। निस्संदेह, पंजाब का अतीत इस मामूली अशांति के प्रति भी विशेष रूप से संवेदनशील होने की जरूरत बताता है। दशकों तक पंजाब ने सुदृढ़ पुलिस व्यवस्था और खुफिया जानकारी पर आधारित अभियानों हेतु देशव्यापी ख्याति अर्जित की है। लेकिन हाल की घटनाओं ने हमारी सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाया ही है। यह गंभीर मसला है कि इस सीमावर्ती संवेदनशील राज्य में दस दिनों के भीतर तीन सुनियोजित व उच्च तकनीक से लैस विस्फोट हुए हैं। ये धमाके सभी पक्षों की मेहनत से अर्जित साख को धूमिल करने के जोखिम को बढ़ाते हैं। सवाल मात्र यही नहीं है कि इन धमाकों के लिये कौन जिम्मेदार है। प्रश्न यह भी है कि क्या इन धमाकों के बाबत खुफिया सूचनाओं को नजरअंदाज किया गया है? या फिर मिली हुई खुफिया सूचनाओं के आधार पर समन्वित प्रतिक्रिया देने में कहीं चूक हुई है? वास्तव में वक्त की सबसे बड़ी जरूरत इस बात को लेकर है कि हम ऐसी किसी भी चुनौती को लेकर एक समन्वित प्रतिक्रिया दें। केंद्र व राज्य सरकार की एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी का बेहतर ढंग से आदान–प्रदान किया जाए। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा घेरे के दायरे का तत्काल प्रभाव से सुरक्षा ऑडिट किया जाए। इन साजिशों पर कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है। खासकर लगातार गहरी होती ड्रोन आधारित घुसपैठ के खतरों को रोकने के लिये युद्धस्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता है। ड्रोन आज अवैध हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी का साधन बन रहे हैं। जनता का मनोबल बढ़ाना जरूरी है, लेकिन सुरक्षा जोखिमों को कम न आंका जाए।

गुलफिशा खान

भाजपा में क्षत्रपों का उभार! योगी पहली पायदान पर

हम अपने इस आलेख में दो बिन्दुओं पर चर्चा कर रहें है एक वशंवाद की खत्म होती राजनीति पर और दूसरे भाजपा में जिस तेजी से राज्य क्षत्रपों का उभार हुआ है उस पर। अगर वशंवाद की खत्म होती राजनीति पर बात की जाए तो बड़ा सवाल यह है कि क्या वोटर्स अब वंशवाद की राजनीति से ऊपर उठने का मन बना चुके हैं? ऐसा हम नहीं कह रहे बल्कि 4 मई को आए 5 विधानसभा चुनाव के रिजल्ट और उससे पहले के नतीजे साफ–साफ खुद सब बयां कर रहे हैं। फिर वह चाहे असम हो, पश्चिम बंगाल या फिर तमिलनाडु तीनों ही जगह परिवारवाद की राजनीति करने वाली पार्टियों को वोटर्स ने मौका नहीं दिया। मैं यहां पर अपने पाठकों को 6 महीने पहले कांग्रेस सांसद शशि थरूर के एक लेख की याद दिलाते हैं। उन्होंने वंशवाद पर लिखा था कि यह भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा है। अब देखिए लोगों ने इसे इतनी गंभीरता से लिया कि बंगाल में ममता, असम में गौरव गोगोई और तमिलनाडु में एमके स्टालिन को सत्ता में आने का मौका नहीं दिया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल जहां भाजपा ने पहली बार कमल खिलाया वह राज्य भी वंशवाद का ही शिकार है। ममता बनर्जी ने भले अपनी सरकार में अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को शामिल नहीं किया पर वह लोकसभा सांसद होने के साथ पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं। टीएमसी को इस बार मात्र 81 सीटें नसीब हुईं और भाजपा 206 सीटें लाकर भगवा लहरा गई। अब असम की ओर नजर दौड़ाइए, मुकाबला हिमंता वर्सेज गौरव गोगोई था पर भाजपा को प्रचंड जीत दिलाकर जनता ने कांग्रेस समेत गौरव गोगोई को भी झटका दिया है। असम में 126 सीटों में 82 भाजपा तो कांग्रेस के पास सिर्फ 19 सीटें ही आईं। गौरव गोगोई खुद जोरहाट सीट 23 हजार वोटों के बड़े अंतर से गंवा बैठे। उन्हें भाजपा के हितेंद्रनाथ गोस्वामी ने हराया। पार्टी का हाल तो बुरा हुआ ही, गौरव गोगोई के लिए भी यह एक बुरे सपने जैसा साबित हुआ। महाराष्ट्र में 2024 में लोकसभा और विधानसभा के बाद बीएमसी चुनाव में जनता ठाकरे परिवार(राज और उद्धव) और शरद पवार की वंशवाद की राजनीति के खिलाफ वोट कर चुके हैं। ओडिशा भी एक उदाहरण है। बीजू पटनायक के बाद नवीन पटनायक तक चली आ रही राजनीतिक विरासत का अंत भाजपा ने ही किया था। जनता ने नवीन बाबू को करारी हार देते हुए भाजपा को ओडिशा की सत्ता से बाहर कर दिया था। बिहार में तो लगातार लालू यादव की राजद को जनता सत्ता से दूर रख रही है। वहीं अब बात भाजपा में एक के एक उभर रहे राज्य क्षत्रपों की तो मालूम हो कि पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत और असम में हेट्रिक के साथ ही राजनीतिक गलियारों में भाजपा के कुछ चेहरों पर चर्चा तेज हो गई है। असम में हिमंता बिस्वा सरमा ने अपने चुनावी कौशल और व्यापक जनाधार का एक बार फिर सबूत पेश कर दिया है। वहीं पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी ने लगातार दूसरी बार ममता बनर्जी को हरा कर मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर दी है। इसी के साथ चर्चा उन चेहरों की भी होने लगी है जो राज्यों में ताकतवर तो हैं ही, पार्टी आलाकमान के साथ कदमताल कर मिशन 2029 के लिए जुटे हुए हैं। बात हो रही है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और हाल ही में बिहार की कुर्सी पर काबिज हुए सम्राट चौधरी की। अपने–अपने राज्यों में पार्टी की ताकत बढ़ाने में लगे यह नेता क्षत्रप के खांचे में फिट बैठते हैं। लेकिन किसी जमाने में कांग्रेस में दबदबा रखने वाले क्षेत्रीय क्षत्रपों से इनकी तुलना नहीं की जा सकती। क्षेत्रीय क्षत्रप उन्हें कहा जा सकता है जो राज्यों में अपनी जबर्दस्त ताकत रखते हैं। जो पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के समानांतर अपनी शक्ति का

प्रदर्शन भी करते हैं। कांग्रेस में इसकी लंबी परंपरा रही है। 1960 से 1990 के दशक तक इनका दबदबा रहा है। हालांकि इंदिरा गांधी के शक्तिशाली होने के बाद कांग्रेस में हाईकमांड संस्कृति का उदय हुआ और धीरे–धीरे क्षेत्रीय क्षत्रप आभाहीन होते गए। तो वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी में भी क्षेत्रीय क्षत्रपों की एक लंबी परंपरा रही है। लेकिन उनकी भूमिका और शक्ति का स्वरूप कांग्रेस की तुलना में काफी अलग रहा है। 1990 और 2000 के दशक में भाजपा में ऐसे कई नेता उभरे जिनका अपने राज्यों में एकछत्र राज था और जिनकी अपनी विशिष्ट कार्यशैली थी। ये नेता केवल हाईकमांड के प्रतिनिधि नहीं थे, बल्कि खुद बड़े जनाधार वाले नेता थे। जैसे राजस्थान में भैरों सिंह शेखावत। वे स्वयं वाजपेयी और आडवाणी के समकक्ष थे। इस लिहाज से पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व में उनका बड़ा कद था। उत्तर प्रदेश में राम मंदिर आंदोलन के समय हिंदू हृदय सम्राट के रूप में उभरे कल्याण सिंह भाजपा के मजबूत क्षेत्रीय क्षत्रप के रूप में उभरे। वे पार्टी का एक बड़ा ओबीसी चेहरा थे। उनके केंद्रीय नेतृत्व से मतभेद हुए जिनके कारण उन्हें कुर्सी और पार्टी भी छोड़नी पड़ी। इसी फेहरिस्त में मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं उमा भारती और राजस्थान की मुख्यमंत्री रहीं वसुंधरा राजे सिंधिया का नाम भी शामिल है जो कई मौकों पर केंद्रीय नेतृत्व को चुनौती देती रहीं। लेकिन 2014 के बाद भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में एक बड़ा बदलाव आया है। अब पार्टी में ब्रांड मोदी सबसे ऊपर है। पार्टी ने उनके चेहरे पर न केवल तीन लोक सभा चुनाव लगातार जीते हैं बल्कि कई राज्यों में बड़ी जीत भी हासिल की है। हाल के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने किसी भी नेता को मुख्यमंत्री के उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं किया। बल्कि यह कहा कि सभी 294 सीटों पर मोदी ही उम्मीदवार हैं। इसके बावजूद भाजपा में क्षेत्रीय क्षत्रपों की उपस्थिति अब भी महत्वपूर्ण है। हालांकि उनकी कार्यशैली बदल गई है। पिछले ग्यारह वर्षों में ऐसा कोई उदाहरण देखने को नहीं मिला जब भाजपा के राज्य के किसी नेता ने केंद्रीय नेतृत्व को चुनौती दी हो। ऐसा होने के पीछे प्रमुख कारण केंद्रीय नेतृत्व का अतिशक्तिशाली होना भी है। यही कारण है कि राज्यों के संबंध में बड़े फैसले करने में भी भाजपा को कोई दिक्कत नहीं आई। जैसे मध्य प्रदेश में दो दशक तक मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान को चुनाव जीतने के बावजूद केंद्र में लाकर मंत्री बना दिया गया। गुजरात में मुख्यमंत्री समेत सारी कैबिनेट बदल दी गई। उत्तराखंड में हार के बावजूद पुष्कर सिंह धामी को फिर मुख्यमंत्री बनाया गया। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे राज्यों में अपेक्षा.त कम चर्चित चेहरों को मुख्यमंत्री बना दिया गया। दरअसल, भाजपा का वैचारिक आधार और कैडर आधारित ढांचा किसी भी नेता को पार्टी से बड़ा होने से रोकता है। यहाँ नेता हाशिए पर जाने के बजाय अक्सर संगठन की नई भूमिकाओं में भेज दिए जाते हैं। साथ ही, ब्रांड मोदी की ताकत के कारण भी राज्यों के नेता उन पर निर्भर हैं। वर्तमान में राज्य स्तर के चुनाव भी प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर लड़े जाते हैं, जिससे क्षेत्रीय नेताओं की स्वतंत्र शक्ति थोड़ी कम हुई है। वे किंग के बजाय वजीर की भूमिका में अधिक नज़र आते हैं। पिछले एक दशक में राज्य में भाजपा के कई ताकतवर नेता तैयार हुए हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वर्तमान में सबसे सशक्त क्षेत्रीय क्षत्रप माने जाते हैं। उनका अपना संगठन (हिंदू युवा वाहिनी) रहा है और उनकी एक स्वतंत्र हिंदूवादी छवि है। यह छवि उन्हें अन्य मुख्यमंत्रियों से अलग और शक्तिशाली बनाती है। अगले साल फरवरी में वे हेट्रिक बनाने के लिए चुनाव मैदान में उतरेंगे। अगर वे इसमें कामयाब होते हैं तो पार्टी में उनकी ताकत और बढ़ जाएगी। दूसरे ताकतवर नेता महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस हैं। वे युवा हैं। पार्टी ने जातीय समीकरणों को दरकिनार कर उन्हें कमान सौंपी। महाराष्ट्र जैसे जटिल राजनीति वाले राज्य में दशकों से जमा दिग्गज नेताओं के बीच उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। विकसित राज्य की कमान संभाल कर उन्होंने संगठन के साथ ही प्रशासन के मोर्चे पर भी कई झंडे गाड़े हैं। 2029 लोक सभा चुनाव में राज्य में पार्टी की जीत सुनिश्चित करना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती रहेगी। असम में लगातार तीसरी बार चुनाव जीत कर हिमंत बिस्वा सरमा ने स्वयं को उत्तर–पूर्व में भाजपा के सबसे बड़े रणनीतिकार के रूप में स्थापित कर दिया है। वे कांग्रेस से आए हैं और उन्होंने पूरे क्षेत्र में अपना दबदबा बनाया है। हिंदुत्व के मुद्दे पर वे बेहद आक्रामक हैं और इस कारण अक्सर सुर्खियों में भी रहते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी भाजपा के एक बड़े क्षत्रप के रूप में उभरे हैं। वे इस महत्वपूर्ण राज्य में पार्टी के पहले मुख्यमंत्री हैं. हालांकि अभी उन्हें खुद को साबित करना बाकी है क्योंकि उन्हें यह कुर्सी संभाले अधिक वक्त नहीं हुआ है। सरमा की ही तरह वे भी दूसरी पार्टी से भाजपा में आकर मुख्यमंत्री बने हैं। इसलिए संगठन के साथ तालमेल और अधिक बेहतर करने की चुनौती उनके सामने है। भाजपा के क्षत्रपों की सूची में नया नाम शुभेंदु अधिकारी का जुडा है। पश्चिम बंगाल में उनकी तेजतर्रार नेता की छवि है। ममता बनर्जी को दो बार पटकनी देने के बाद उनका कद बहुत बड़ा हो गया है। वे विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के सूत्रधारों में से एक माने जा रहे हैं। राज्य में भाजपा को एक ऐतिहासिक स्थिति में पहुँचाने के बाद वे एक नए और ताकतवर क्षेत्रीय चेहरे के रूप में उभरे हैं।

हार का शतक लगाने के क़रीब पहुचे राहुल गांधी

फरीद वारसी

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने जर्मनी दौरे के दौरान बर्लिन के एक कॉलेज से भाजपा पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि संस्थानिक ढांचे, खुफिया और जांच एजेंसियों पर भाजपा का कब्जा है। भारत में लोकतंत्र पर हमला हो रहा है, हरियाणा में हम जीते थे लेकिन चुनावी व्यवस्था में समस्या की वजह से हमें हरा दिया गया। राहुल गांधी के संबोधन का ये वीडियो कांग्रेस ने ही जारी किया है। राहुल गांधी ने आगे कहा, हम तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में जीते। हम भारत में चुनावों की निष्पक्षता का मुद्दा उठाते रहे हैं। मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंसों के जरिए साबित भी किया कि हम हरियाणा में जीते थे और महाराष्ट्र में चुनाव निष्पक्ष नहीं थे। हमारे देश की संस्थाओं पर बड़े पैमाने पर हमला हो रहा है। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से कहा कि आपने मेरा प्रेस कांफ्रेंस देखा होगा। ब्राजील की महिला हरियाणा में वोट डाल रही है। हरियाणा की वोटर लिस्ट में उसका नाम 22 बार है। एक महिला एक बूथ पर 200 बार वोट डालती है। इन सवालों का चुनाव आयोग जवाब नहीं देता। हमें बुनियादी तौर पर लगता है कि भारत की चुनावी व्यवस्था में समस्या है। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे संस्थानिक ढांचे पर पूरी तरह से कब्जा हो चुका है। हमारी खुफिया एजेंसी, सीबीआई, ईडी का हथियारों की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। सीबीआई और ईडी के ज्यादातर केस भाजपा के विरोधियों पर हैं। अगर आप बड़े व्यापारी हैं और कांग्रेस का समर्थन करने की कोशिश करते हैं तो आपको धमकी मिलेगी और जांच एजेंसियां पहुंच जाएंगी। अब प्रमुख बात कांग्रेस के नेता और पार्टी के अध्यक्ष रहे राहुल गांधी के चुनावी राजनीति के सफर की तो मालूम हो कि कांग्रेस की राजनीति में राहुल गांधी का सफर काफी लंबा रहा है, लेकिन यह सफर ज्यादातर चुनावी हारों से घिरा रहा है। अब तक वे देशभर में 99 चुनाव हार चुके हैं, और हार का शतक बनाने से बस एक कदम दूर हैं। अगर राज्यों और सालों के हिसाब से उनके चुनावी नतीजों को देखें, तो तस्वीर काफी चिंताजनक नजर आती है। बार–बार मिल रही यह नाकामयाबी न केवल राहुल गांधी के करियर पर सवाल उठाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस के लिए आगे की राह कितनी मुश्किल भरी है। हार के इस सफर की शुरुआत इस सदी के शुरुआती सालों में ही हो गई थी। साल 2004 में पार्टी को कर्नाटक, ओडिशा और सिक्किम में हार का सामना करना पड़ा। इसके ठीक अगले साल यानी 2005 में बिहार और झारखंड में पार्टी को झटके लगे। जैसे–जैसे यह दशक आगे बढ़ा, साल 2006 में केरल और पश्चिम बंगाल में पार्टी चुनाव हार गई। साल 2007 कांग्रेस के लिए बहुत भारी रहा, जब वह गुजरात, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में जीत हासिल करने में फेल रही। इसके बाद 2008 में कर्नाटक, मध्य प्रदेश, नागालैंड, त्रिपुरा और छत्तीसगढ़ में उसे हार मिली। इस दशक का अंत 2009 में झारखंड, ओडिशा और सिक्किम में मिली हार के साथ हुआ। अगले दस सालों में भी कांग्रेस की किस्मत को कोई राहत नहीं मिली। साल 2010 में कांग्रेस को बिहार में हार का सामना करना पड़ा। साल 2011 में पार्टी पुडुचेरी और तमिलनाडु में चुनाव हार गई। इसके बाद 2012 में गोवा, गुजरात, पंजाब और उत्तर प्रदेश में पार्टी को कई जगह हार का सामना करना पड़ा। मुश्किलें 2013 में भी जारी रहीं, जब दिल्ली, मध्य प्रदेश, नागालैंड, राजस्थान, त्रिपुरा और छत्तीसगढ़ में पार्टी को हार झेलनी पड़ी। साल 2014 का आम चुनाव कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। इस साल पार्टी ने लोकसभा चुनाव तो हारा ही, साथ ही राज्य स्तर पर आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, सिक्किम और तेलंगाना में भी उसे करारी हार मिली। इस दशक का आधा हिस्सा बीतने के बाद भी मुश्किलें वैसी ही रहीं। साल 2015 में पार्टी दिल्ली में हार गई. 2016 में असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में उसे हार का मुंह देखना पड़ा। साल 2017 में गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में हार का सामना करना पड़ा। 2018 के चुनावों में कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, राजस्थान, तेलंगाना, त्रिपुरा और छत्तीसगढ़ में पार्टी को झटके लगे। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनावों में फिर से पूरे देश में हार मिली, और इसी के साथ आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, ओडिशा और सिक्किम में भी हार का सामना करना पड़ा। मौजूदा दशक में आने के बाद भी यह हार का सिलसिला नहीं थमा। साल 2020 में बिहार और दिल्ली में हार दर्ज की गई। 2021 के चुनावी कैलेंडर में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल शामिल रहे जहां पार्टी चुनाव हार गई। 2022 में पार्टी गोवा, गुजरात, मणिपुर, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में फेल हो गई। 2023 तक, मध्य प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, राजस्थान, त्रिपुरा और छत्तीसगढ़ में मिली हार के साथ यह आंकड़ा और भी बड़ा हो गया। अभी सबसे ताजा 2024 के आम चुनावों में पार्टी को एक और लोकसभा हार का सामना करना पड़ा, जबकि इसी साल आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, ओडिशा और सिक्किम में भी उसे झटके लगे। अगर एकदम आगे की बात करें तो, 2025 और 2026 के लिए शुरुआती नतीजे यह बताते हैं कि बिहार, दिल्ली, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का संघर्ष अभी भी लगातार जारी है।

आम मरीजों के हक की रक्षा

ये नहीं कहा जा सकता कि आवश्यक दवाओं के मामले में कंपनियों से कोई नाइसांफी होती है। फिर भी दवा कंपनियों ने 2013 से ही मूल्य नियंत्रण आदेश के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रखी है। अब उन्हें एक न्यायिक सफलता मिली है। बॉम्बे हाई कोर्ट के एक निर्णय के परिणामस्वरूप बहुत–सी जरूरी दवाएं मूल्य नियंत्रण की श्रेणी से बाहर हो जाएंगी। कोर्ट ने औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश– 2013 की भाषा में मौजूद खामियों का लाभ दवा कंपनियों को दिया है। उसने कहा कि मूल्य संबंधी विनियमों को उन दवाओं पर लागू नहीं किया जा सकता, जिनका स्पष्ट रूप से उपरोक्त आदेश में उल्लेख नहीं है। सरकार इसी आदेश के तहत आवश्यक औषधियों की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) बनाती है, जिनकी मनमाने ढंग से कीमत नहीं बढ़ाई जा सकती। विशेषज्ञों के मुताबिक इस व्यवस्था को नाकाम करने के लिए कंपनियां मूल दवा में मामूली हेरफेर कर उसके नए संस्करण बनाती रही हैं। ये दवाएं अलग नाम से बाजार में उतारी जाती हैं। अब तक 2013 के आदेश की भावना के अनुरूप सरकार ऐसी दवाओं को एनएलईएम में शामिल करती आई है। फिलहाल, इस सूची में 348 दवाएं हैं, जिनके सभी संस्करण (खूराक मात्रा और पॉवर के रूप में) उस सूची में शामिल हैं। अब ये सूरत बदल सकती है। हालांकि सरकार के पास सुप्रीम कोर्ट में जाने का विकल्प है, लेकिन आशंका है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्टे नहीं दिया, तो बीच की अवधि में बहुत–सी दवाएं आम उपभोक्ता की पहुंच से बाहर हो जाएंगी। इसलिए जरूरी है कि सरकार भाषा की खामियों को दुरुस्त करते हुए 2013 के आदेश को नए सिरे जारी करे। यहां उल्लेखनीय है कि कंपनियों को एनएलईएम के तहत आने वाली दवाओं की कीमत साल में एक बार बढ़ाने का अधिकार 2013 के आदेश के तहत मिला हुआ है। गुजरे वर्ष के थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर वे इनके दाम बढ़ाती रही हैं। अंतर सिर्फ यह है कि ऐसी वृद्धि का तर्क उन्हें पेश करना पड़ता है, जिस पर सरकार की नज़र रहती है। अतरू ये नहीं कहा जा सकता कि इन दवाओं के मामले में कंपनियों से कोई नाइसांफी होती है। लेकिन दवा कंपनियों ने 2013 से ही उपरोक्त आदेश के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रखी है। अब उन्हें एक न्यायिक सफलता मिली है। मगर सरकार को यह याद रखना चाहिए कि आम मरीजों के हक की रक्षा करना उसकी जिम्मेदारी है।

आश्रम परिसर में बवाल, चौकी इंचार्ज व परिवार के बीच मारपीट

न्यूज वाणी ब्यूरो

धामपुर, बिजनौर। कस्बा चौकी इंचार्ज और एक परिवार के बीच हुआ विवाद बुधवार को पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। महिला से अभद्रता के आरोपों के बाद परिजनों द्वारा चौकी इंचार्ज की पिटाई किए जाने का मामला अब पुलिस जांच के दायरे में है। घायल दरोगा का मुरादाबाद के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है, जबकि पुलिस ने दो आरोपियों को गिरतार कर कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार कस्बा चौकी इंचार्ज ब्रह्मपाल गिरी पिछले करीब एक वर्ष से धामपुर क्षेत्र में तैनात हैं और एक आश्रम परिसर में बने कमरे में रह रहे थे। उसी परिसर में लंबे समय से खेती कर रहे परिवार के साथ मंगलवार देर रात विवाद हो गया। दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जिसके बाद मामला हाथापाई तक पहुंच गया। घटना में चौकी इंचार्ज गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिसकर्मियों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने चौकी इंचार्ज की तहरीर पर ओमवेश और राहुल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दोनों को गिरतार कर लिया। वहीं दूसरे पक्ष ने चौकी इंचार्ज पर परिवार की महिला के साथ अभद्र व्यवहार और छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। परिवार की महिलाओं का कहना है कि घटना के बाद पुलिस लगातार दबाव बना रही है और उनके साथ अभद्रता की गई। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है। मामले को लेकर आश्रम प्रबंधन और किसान संगठनों में भी नाराजगी दिखाई दी। भाकियू प्रकाश गुट के कार्यकर्ता कोतवाली पहुंचे और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि जांच में जो भी दोषी मिले, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। एएसपी पूर्वी अमित किशोर ने बताया कि दोनों पक्षों के आरोपों की गंभीरता से जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं कोतवाली पुलिस ने घटना से जुड़े कुछ सामान भी बरामद किए हैं, जिन्हें जांच में शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी पहुंचे देवबंद, कई परियोजनाओं का किया शिलान्यास

न्यूज वाणी ब्यूरो

देवबंद, सहारनपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लोक निर्माण विभाग राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह के बुलावे पर देवबंद पहुंचे, जहां उन्होंने 2131 करोड़ रुपये की लागत से तैयार और प्रस्तावित 325 जनकल्याणकारी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। नगर के सिल्वर पैराडाइज फार्म में बने हेलिपैड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर उतरा। जहां पर जिले के प्रभारी कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह, राज्यमंत्री जसवंत सैनी ने उन्हें रिसीव किया। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत राणा, जिला उपाध्यक्ष संदीप शर्मा, जिला महामंत्री पवन सवई, विधायक देवेंद्र निम, राजीव गुंबर, मुकेश चौधरी, किरत सिंह, अंकित जैन, शिवराज सिंह रोड आदि ने हेलिपैड पर उनका स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सभा स्थल पहुंचे। जहां पर मुख्यमंत्री ने कई विभागों की योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र वितरित किए और जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं और उपलब्धियों को विस्तार से जनता के सामने रखा। मुख्यमंत्री ने देवबंद की पावन भूमि का स्मरण करते हुए मां शाकुंभरी सिद्धपीठ और माता त्रिपुर बाला सुन्दरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त की और सहारनपुर के सभी नागरिकों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने बंगाल की जीत, कनेक्टिविटी और कानून व्यवस्था, दंगो और फतवों पर अपने विचार रखे। सहारनपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जिले के लिए बड़ी विकास सौगात की घोषणा की। उन्होंने बताया कि सहारनपुर जिले में हजारों करोड़ रुपये की लागत से सैकड़ों विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन से जिले के विकास को नई गति मिलेगी और आम नागरिकों को सुविधाओं का लाभ सीधे मिलेगा। जनसभा में पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ महेंद्र सैनी, कुलदीप सैनी प्रधान जी, जिला मंत्री सोनित कश्यप, अभिषेक त्यागी, राहुल वीरपुर, पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग, नगराध्यक्ष अरुण गुप्ता, राजेश अनेजा, आलोक खटीक, राममोहन सैनी, विजय त्यागी, प्रमोद शाही सहित हजारों की तादाद में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिशन शक्तिअभियान के तहत चौबिया क्षेत्र में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। मिशन शक्ति फेज–5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत थाना चौबिया पुलिस द्वारा क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में संचालित अभियान के तहत आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं अन्य उपस्थित लोगों को विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। इनमें पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102 एवं 108, वूमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वीमेन हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। पुलिस टीम ने साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में भी विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी अंजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी साझा न करें और किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। साथ ही ऑनलाइन लेन–देन और सोशल मीडिया का उपयोग करते समय सतर्क रहने की अपील की गई। कार्यक्रम में महिलाओं को जागरूकता पम्पलेट वितरित कर सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इटावा पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा एवं जनजागरूकता के लिए लगातार अभियान चलाकर आमजन को जागरूक किया जा रहा है।

परिवार परामर्श केंद्र की पहल से बचे तीन परिवार

– मिशन शक्ति अभियान के तहत पति–पत्नी के विवाद कराए समाप्त

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। मिशन शक्ति अभियान–5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सुलह समझौता से सुखी परिवार अभियान के तहत परिवार परामर्श केंद्र/नई किरण कार्यक्रम में

तीन परिवारों के बीच आपसी सुलह कराकर उनके टूटते रिश्तों को फिर से जोड़ा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीश चन्द्र एवं अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभयनाथ त्रिपाठी के मार्गदर्शन में महिला थाना स्थित परिवार परामर्श केंद्र में मिशन शक्ति टीम एवं महिला थाना पुलिस ने पति–पत्नी के बीच चल रहे विवादों को आपसी बातचीत से सुलझाया। परामर्श केंद्र में दोनों पक्षों को समझाकर रिश्तों में आई दूरियों को समाप्त कराया गया, जिसके बाद तीनों परिवार खुशी–खुशी साथ रहने के लिए राजी हो गए। पुलिस की इस पहल की लोगों ने सराहना की है। समझौता कराने वाले परिवारों में रीता देवी पत्नी संतोष निवासी मंदिर महेवा थाना बकेवर, मीना कुमारी पत्नी शिवा निवासी ग्राम मेंहदीपुर थाना बकेवर तथा मुस्कान पत्नी सचिन निवासी करहल जनपद मैनपुरी शामिल हैं।

पुलिस मुठभेड़ में दो गांजा तस्कर गिरफ्तार

– 05 किलो 150 ग्राम गांजा, तमंचा व कारतूस सहित मोटरसाइकिल बरामद

न्यूज वाणी ब्यूरो

बांदा। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा जनपद को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन ईगल के क्रम में थाना मटौंध जसपुरा पुलिस द्वारा अवैध गांजे की तस्करी करने वाले दो अभियुक्तों को पुलिस मुठभेड़ में गिरतार कर लिया है। गौरतलब हो कि 06/07 मई की रात्रि में थाना जसपुरा पुलिस को गश्त एवं चेकिंग के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि एक मोटरसाइकिल से दो व्यक्ति हमीरपुर से अवैध गांजा लेकर जनपद की तरफ आ रहे है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा थाना जसपुरा क्षेत्र के रामपुर चौराहे के पास चेकिंग शुरु की गई इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। पुलिस टीम द्वारा रुकने का इशारा किया गया तो मोटरसाइकिल मोड़कर भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा आवश्यक बल का प्रयोग कर घेराबन्दी की गई तो उक्त लोगों द्वारा जान से मारने की नियत से पुलिस टीम पर फायर की गई। पुलिस द्वारा जवाबी कार्यवाही करते हुए तत्परता से घेरकर दोनों अभियुक्तों को पकड़ लिया गया। अभियुक्तों के कब्जे से प्लास्टिक के बोरी में अवैध सूखा गांजा तथा घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचे, जिन्दा कारतूस व खोखा कारतूस आदि सहित परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद हुए। पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि वे दोनों हमीरपुर, बांदा व आसपास के जनपदों में कई स्थानों पर अवैध गांजे की तस्करी की जाती है। इस सम्बन्ध में पुलिस द्वारा विस्तृत जांच की जा रही है कि इनके द्वारा और कहां–कहां और किन–किन जनपदों में अवैध गांजे की सप्लाई की जाती है साथ ही इनके गिरोह में और कितने लोग शामिल है। बता दें कि गिरतार अभियुक्त नीलेश पुत्र सदाशिव पर पूर्व से ही बांदा और हमीरपुर में गैंगस्टर, गुण्डा एक्ट आदि सहित आधे दर्जन से अधिक मामलें दर्ज है। पकड़े गए अभियुक्त नीलेश पुत्र सदाशिव निवासी गरौती थाना तिंदवारी व भोला पुत्र चुन्नू निवासी गरौती थाना तिंदवारी के विरुद्ध मु0अ0सं0– 64/26 धारा 109 बीएनएस, 8/20 एनडीपीएस एक्ट व 3/25 आर्म्स एक्ट थाना जसपुरा में अभियोग दर्ज किया गया है। पकड़ने वाली पुलिस टीम में ऋषिदेव सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना जसपुरा, आकाश कुमार चौकी प्रभारी अमारा, हे0कां0 मनोज कुमार पाण्डेय, कां0 दिलीप कुमार, कां0 विनय कुमार, कां0 मोहित कुमार, कां0 .ष्ण कुमार पाठक शामिल रहे।

मालन नदी किनारे औद्योगिक गलियारा बनाने की मांग

– किसानों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

न्यूज वाणी ब्यूरो

बिजनौर। मालन नदी के किनारे से ही औद्योगिक गलियारे का निर्माण कराने की मांग को लेकर किसानों ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। किसानों ने अधिग्रहित की जाने वाली सभी उपजाऊ भूमि का सर्किल रेट समान निर्धारित करने तथा उसका छह गुना मुआवजा दिए जाने की मांग उठाई।

राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जिलाध्यक्ष विनोद कुमार उर्फ बिट्टू और प्रदेश सचिव कैलाश लांबा के नेतृत्व में पहुंचे किसानों ने कहा कि यूपीडा की टीम द्वारा औद्योगिक गलियारे के लिए भूमि अधिग्रहण के दौरान मालन नदी के पास की कुछ भूमि को छोड़ा जा रहा है, जबकि अन्य किसानों की जमीन अधिग्रहित की जा रही है। किसानों ने इसे अनुचित बताते हुए मांग की कि मालन नदी किनारे स्थित समस्त भूमि को समान रूप से अधिग्रहण में शामिल किया जाए। औद्योगिक गलियारे का निर्माण नदी किनारे से ही कराया जाए। किसानों ने ग्रामवासियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि औद्योगिक गलियारा गांव की सीमा से कम से कम 200 मीटर दूर बनाया जाए। इसके अलावा क्षेत्र में लगभग 1700 बीघा ग्राम समाज की भूमि होने का भी उल्लेख किया गया। ज्ञापन देने वालों में अभिनव चौधरी, नरेश कुमार, अनुज, आशीष चौधरी, पवन, बलराम सिंह, अमित, केहर सिंह और सुरेश कुमार समेत अन्य किसान मौजूद रहे।

जिले में शुरू हुई डिजिटल जनगणना, डीएम ने सेल्फी प्वाइंट पर किया शुभारंभ

न्यूज वाणी ब्यूरो

गाजीपुर। जनपद में बहुप्रतीक्षित जनगणना 2026–27 अभियान का पहला चरण शुरू हो गया है। इस अभियान का औपचारिक शुभारंभ जिलाधिकारी अनुपम शुक्ल ने सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाकर किया। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से कराई जा रही है, जिसमें मोबाइल ऐप और वेबसाइट के जरिए आंकड़े जुटाए जाएंगे। प्रशासन ने इसे पारदर्शी और आधुनिक व्यवस्था की दिशा में बड़ा कदम बताया है। जनगणना अभियान की शुरुआत के साथ ही जनपद में प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। सरकारी कर्मचारियों को अलग–अलग क्षेत्रों में जिम्मेदारी सौंप दी गई है, ताकि तय समय सीमा के भीतर कार्य पूरा किया जा सके। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ल ने बताया कि जनगणना के पहले चरण में भवन सूचीकरण और हाउस लिस्टिंग का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए पूरे जनपद में लगभग साढ़े सात हजार सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। पूरी जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों के लिए सटीक आंकड़े तैयार किए जा सकें। जनपद प्रशासन का कहना है कि जनगणना देश के विकास और योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। ऐसे में आम लोगों का सहयोग बेहद जरूरी है।

यूपीआई ठगी मामले में साइबर क्राइम टीम की कार्रवाई

- पीड़ित के खाते में वापस कराए लाखों रुपए

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। साइबर क्राइम पुलिस टीम ने यूपीआई के माध्यम से साइबर ठगी का शिकार हुए एक पीड़ित को बड़ी राहत देते हुए त्वरित कार्रवाई कर 12 लाख 77 हजार रुपये वापस कराए हैं। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में की गई। जानकारी के अनुसार बढ़पुरा थाना क्षेत्र के ग्राम पूठन निवासी सुमेन्द्र फौजी को साइबर ठगों ने टेलीग्राम के माध्यम से शेयर मार्केट में निवेश पर अधिक लाभ दिलाने का झांसा दिया। ठगों ने यूपीआई के जरिए उससे कुल 21 लाख 48 हजार रुपये की धोखाधड़ी कर ली। मामले की लिखित शिकायत मिलने पर थाना साइबर क्राइम में धारा 318(4) बीएनएस एवं 66क आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए साइबर क्राइम पुलिस टीम ने तत्काल तकनीकी और बैंकिंग माध्यमों से जांच शुरू की। बैंक अधिकारियों और पेमेंट गेटवे के नोडल अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर ठगी गई धनराशि को होल्ड कराया गया। पुलिस टीम के प्रभावी प्रयासों से 12 लाख 77 हजार रुपये सुरक्षित कराकर 6 मई 2026 को पीड़ित के खाते में सफलतापूर्वक वापस करा दिए गए। साइबर क्राइम टीम ने पीड़ित को भविष्य में साइबर अपराधों से बचाव के उपाय भी बताए और ऑनलाइन लेन–देन में सतर्क रहने की सलाह दी। अपनी धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस और साइबर क्राइम टीम का आभार व्यक्त करते हुए सराहना की। साइबर क्राइम पुलिस के अनुसार 1 जनवरी 2026 से अब तक लगभग 25 लाख रुपये की ठगी गई धनराशि विभिन्न पीड़ितों को वापस कराई जा चुकी है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो जाए तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा वेबसाइट पर शिकायत दर्ज कराएं।

छात्रा से अभद्रता के आरोपी शिक्षक पर कार्रवाई, गिरफ्तार

न्यूज वाणी ब्यूरो

नगीना, बिजनौर। इंटरमीडिएट की छात्रा के साथ अभद्र व्यवहार के आरोप में पुलिस ने एलआरएस अकादमी के शिक्षक इरशाद अहमद को गिरतार कर शांति भंग की आशंका में चालान कर दिया। मामले में कार्रवाई न होने से नाराज भाकियू अराजनैतिक कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर आंदोलन की चेतावनी दी थी। थाने में 24 अप्रैल को दर्ज कराई गई रिपोर्ट में एक गांव निवासी व्यक्ति ने आरोप लगाया था कि उसकी पुत्री एलआरएस कॉलेज में कक्षा 12 की छात्रा है। 22 अप्रैल को आंतरिक परीक्षा के दौरान कक्षा में मौजूद शिक्षक इरशाद अहमद ने उसकी पुत्री के साथ अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि शिक्षक ने छात्रा का गला पकड़कर उसे जबरन उठाया, आपत्तिजनक टिप्पणी की और उसकी उत्तर पुस्तिका फाड़ दी। इसके बाद छात्रा को धक्का देकर कक्षा से बाहर निकाल दिया गया। पीड़ित छात्रा ने घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। अगले दिन परिजन स्कूल प्रबंधन से शिकायत करने पहुंचे तो वहां भी उनके साथ अभद्रता और गाली–गलौज किए जाने का आरोप लगाया गया। मामले में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद कार्रवाई न होने से नाराज भाकियू अराजनैतिक कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार को ज्ञापन देकर आरोपी शिक्षक की गिरतारी की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरतार कर शांति भंग में चालान कर दिया। सीओ राजेश कुमार सोलंकी ने बताया कि आरोपी शिक्षक इरशाद अहमद के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की गई है।

उर्वरक निगरानी समिति की डीएम ने ली बैठक

– उर्वरक वितरण एवं बिक्री में घालमेल करने पर होगी कठोरतम कार्रवाई

न्यूज वाणी ब्यूरो

बहराइच। कलेक्ट्रेट कक्ष में आयोजित उर्वरक निगरानी समिति की बैठक के दौरान जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी द्वारा जिला .षि अधिकारी को निर्देशित किया गया कि .षकों को उर्वरक का वितरण खतौनी की कॉपी लेकर क्षेत्रफल एवं बोई गई फसल के अनुसार ही किया जाए। वितरण के समय .षको से इस आशय का घोषणा पत्र भी भरवाया जाए की प्राप्त की जा रही उर्वरक का प्रयोग वे स्वयं के खेत में संतुलित मात्रा में आवश्यकता अनुसार ही करेंगे। प्राप्त उर्वरक का प्रयोग अपने खेत के अलावा अन्यत्र कहीं नहीं किया जायेगा। डीएम ने निर्देश दिया कि न्याय पंचायत, ब्लॉक एवं तहसील स्तर पर नोडल अधिकारियों से सभी उर्वरक बिक्री केंद्रों की जांच करायी जाय। किसी प्रकार की अनियमिता मिलने पर कठोरत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। डीएम श्री त्रिपाठी द्वारा उप .षि निदेशक एवं .षि विज्ञान केंद्र के प्रभारी को निर्देशित किया गया कि न्याय पंचायत स्तर पर उर्वरक निगरानी समितियों की बैठक करा करके जनपद के .षकों को संतुलित मात्रा में उर्वरक प्रयोग करने के लिए जागरूक एवं प्रेरित किया जाए। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारी समितियां को निर्देशित किया गया की तहसील स्तर पर कार्यरत सहकारिता विभाग के अधिकारी, एडीसीओ एवं ब्लाक स्तर पर कार्यरत सहायक विकास अधिकारी सहकारिता से प्रतिदिन समितियों का निरीक्षण एवं जांच कराते हुए प्रतिदिन जांच उपलब्ध कारायें। डीएम ने कहा कि किसी भी स्तर पर बिक्री में अनियमितता मिलने पर कठोरतम कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए। एसएसबी 42 एवं 59 बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं कस्टम अधीक्षक रुपईडीहा, नानपारा एवं मिहींपुरवा को निर्देशित किया गया की बॉर्डर क्षेत्र मिहींपुरवा एवं नवाबगंज में सघन निगरानी रखी जाए तथा अवांछित कार्य करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर कठोरता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस अवसर पर सम्बन्धित अधिकारी, पीसीएफ प्रबंधक, इफको क्षेत्रीय अधिकारी, वैज्ञानिक .षि विज्ञान केन्द्र उपस्थित रहे।

फतेहपुर के डा. जमाल चश्मे वालों की मशहूर दुकान
फैसल चश्मे वाले
(साइन्टिफिक आप्टीशियन)
किशनपुर रोड, चौड़ा खेर गली के अन्दर, शिब्बू मोबाइल के बगल में, मस्जिद के नीचे पहुंच गई है।
(जापानी कम्प्यूटर द्वारा आंखों की जाँच)
हमारे यहाँ पर आखों की जाँच करके नज़र व धूप के चश्में बनायें जाते है।
नोट- सरदर्द, आँखों में दर्द, मोतिया बिन्द, समलबाई, धुन्ध, आपरेशन आँख दूर व पास के अक्षर साफ न दिखाई देने पर साइन्टिफिक आप्टीशियन द्वारा आँखों की जाँच करके नज़र व धूप के चश्में बनाये जाते है व साफट कान्टेक्ट लेन्स लगायें जाते है एवं कान की मशीन भी उपलब्ध है।
नोट- मोतिया बिन्द के आपरेशन व आँखों के अन्य आपरेशनों के साथ-साथ लैसिक द्वारा चश्मा हटवाने के लिए सम्पर्क करें। आँख के अन्दर (I.O.L.) लेन्स लगवाने के 21 दिन बाद अवश्य चश्मा लगवा लें वरना रोशनी कम होने का खतरा बना रहता है।
फैसल चश्मे वाले
किशनपुर रोड, चौड़ाखेर गली के अन्दर, शिब्बू मोबाइल के बगल में, मस्जिद के नीचे, खागा-फतेहपुर
डा. जमाल अहमद MBBS. (H) P.M.P
हाजी ख़लीक़ अहमद जाफरी सम्पादक कारवाने हक 9415065213
एफ.ए.जाफरी D.R. (Opt.) 7379440876

भैंस ने किसान के गुप्तांग में सींघ मारा

-पानी पिलाते समय हुई घटना, मेडिकल कॉलेज रेफर

(संवाददाता)

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र में एक किसान को भैंस ने सींघ मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह घटना उस समय हुई जब किसान अपनी भैंस को पानी पिला रहा था। घायल किसान को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पिचौरा गांव निवासी 60 वर्षीय राज नारायण पुत्र

दुर्गा प्रसाद अपनी भैंस को पानी पिलाने गए थे। इसी दौरान पास बंधी दूसरी भैंस ने उनके गुप्तांग में सींघ मार दिया। सींघ लगने से राज नारायण गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और आनन–फानन में घायल राज नारायण को एक निजी वाहन से राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां मौजूद डॉक्टर ध्रुव सिंह ने उन्हें प्राथमिक उपचार दिया। डॉक्टर ध्रुव सिंह ने राज नारायण की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। उन्होंने परिजनों को अच्छे सर्जन से इलाज कराने की सलाह भी दी है।

शहीद माल्टा इंटर कॉलेज में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का शुभारंभ

(संवाददाता)

जहानाबाद। "जल है तो कल है" के संदेश को आगे बढ़ाते हुए जय देवी राजाराम चौरिटी फाउंडेशन द्वारा कस्बे के शहीद माल्टा इंटर कॉलेज में गुरुवार को रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सैय्यद समीना हसन ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बारिश के पानी को भूमिगत कर पुनः उपयोग योग्य बनाना संस्था की सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि लगातार गिरते जलस्तर को बचाने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग बेहद जरूरी है। सरकार के साथ–साथ आम लोगों को भी जल संरक्षण के लिए आगे आना होगा। कार्यक्रम में नगर पंचायत चेयरमैन सैय्यद आबिद हसन, सैय्यदा शाहीन हसन, प्रधानाचार्य अनीसुर्रहमान, मिथिलेश कुमारी, जयसिंह, उदयनारायण, परशुराम यादव, वसीम खान, नदीम अहमद सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने पर भी जोर दिया गया।

ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य ने वीर जवानों को किया नमन, बोले- नया भारत आतंकवाद को दे रहा मुंहतोड़ जवाब

(संवाददाता) लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रथम वर्षगांठ पर देश के समस्त वीर जवानों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्रभक्ति को कोटि–कोटि नमन किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का पराक्रम, त्याग और मातृभूमि के प्रति समर्पण प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष आज ही के दिन मां भारती के वीर सपूतों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई करते हुए सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर पूरी दुनिया को भारत की शक्ति, साहस और अटूट संकल्प का परिचय कराया था। उन्होंने कहा कि यह अभियान भारतीय सेना की वीरता, अनुशासन और राष्ट्र सुरक्षा के प्रति सर्वोच्च प्रतिबद्धता का प्रतीक बन गया है।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए हमारे जवान दिन–रात सीमाओं पर तैनात रहकर अपने प्राणों की परवाह किए बिना राष्ट्र सेवा में जुटे रहते हैं। उनका त्याग और समर्पण आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने हमेशा यह साबित किया है कि देश की संप्रभुता और सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल, दूरदर्शी और दृढ़ नेतृत्व में आज नया भारत आतंकवाद के खिलाफ पूरी मजबूती के साथ खड़ा है। भारत अब हर आतंकी साजिश का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है और राष्ट्र की सुरक्षा, संप्रभुता तथा अखंडता की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा नीति, सैनिक शक्ति और राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। यह अभियान आने वाले समय में भी देश के दुश्मनों के लिए स्पष्ट संदेश बना रहेगा कि भारत अपनी सुरक्षा और सम्मान की रक्षा के लिए हर स्तर पर सक्षम और सजग है।

आटो सवार महिला के पर्स से सोने-चांदी के आभूषण गायब

(संवाददाता) कानपुर देहात। भोगनीपुर से ऑटो में बैठकर बेटी के साथ मायके राजपुर के भाल गांव आ रहीं महिला के पर्स से रास्ते में सोने चांदी के कीमती आभूषण गायब हो गये। पीड़िता ने वृहस्पतिवार को राजपुर थाना में तहरीर दी। घटना बुधवार दोपहर की बताई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कानपुर नगर के रेउना थाना के इछौली निवासी मोनू मिश्रा की पत्नी वंदना ने को पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बुधवार को दोपहर करीब दो बजे वह अपनी 5 बर्षीय बेटी नित्या के साथ भोगनीपुर से राजपुर के लिए आटो में बैठी थी। ऑटो में पहले से ही दो महिलाएं भी सवार थीं। दोनों महिलाओं ने रास्ते भर उसे बातों में उलझा रखा। राजपुर कस्बे की भाल पुलिया आने पर वह बेटी के साथ आटो से उतरकर मायके भाल आ गई। जबकि दोनों महिलाएं आटो में बैठी रही। वंदना ने बताया कि घर आने पर पर्स खोलकर देखा तो पर्स से 4 सोने की अंगूठियां, दो जोड़ी कानों के झाला, दो जोड़ी चांदी की तोड़ियां पार गायब थी। मामले में राजपुर थानाध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि तहरीर मिली है। घटना मूसानगर से राजपुर के बीच बताई जा रही है। मामले की पड़ताल की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, 208 किलो रिफाइंड ऑयल जब्त

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। जनपद में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने गुरुवार को मिलावटखोरी और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य तेल एवं घी के 04 नमूने संग्रहित किए गए, जबकि 208 किलो नेपाली रिफाइंड सोयाबीन ऑयल (न्यूट्री प्लस) जब्त किया गया। जिसकी कीमत लगभग 34600 रुपये बताई जा रही है। यह कार्रवाई आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेश एवं जिलाधिकारी के निर्देश पर सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय बीएस कुशवाहा के नेतृत्व तथा मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार दीक्षित की मौजूदगी में की गई। टीम ने मेट्रो सिटी मार्ट बुलुट चौराहा से पतंजलि ब्रांड सरसों तेल एवं गाय के घी के नमूने लिए। वहीं यश मार्ट

रिलायंस रिटेल लिमिटेड से गुड लाइफ कच्ची घानी सरसों तेल का नमूना संग्रहित किया गया। इसके अलावा प्रियंक इंटरप्राइजेज, गांधी नगर बहुआ से रिफाइंड सोयाबीन ऑयल का नमूना लेने के साथ 208 किलो रिफाइंड ऑयल जब्त किया गया। बिंदकी नगर पालिका क्षेत्र में न्यू फ्रूट इंडिया कम्पनी, प्रो० मो० अजीम की फल दुकान का निरीक्षण कर मौके पर सुधार नोटिस भी जारी किया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान दुकानदारों को खाद्य पदार्थ ढककर रखने, साफ–सफाई बनाए रखने, मिलावट रहित खाद्य सामग्री बेचने और बिना लाइसेंस कारोबार न करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आम लोगों को भी खाद्य अपमिश्रण से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया गया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी धीरज कुमार दीक्षित, दिनेश चन्द्र, अनुराधा कुशवाहा एवं देवेश कुमार मिश्रा मौजूद रहे।

डीएम ने नीब करौली बाबा की जन्म भूमि पर चल रहे पर्यटन विकास कार्य को देखा

- मल्टीपरपज हॉल के निर्माण का निरीक्षण कर दिए निर्देश

न्यूज वाणी ब्यूरो

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने जनपद के नागऊ स्थित नीब करौली बाबा की जन्म भूमि पर चल रहे पर्यटन विकास कार्यों और मल्टीपरपज हॉल के निर्माण का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और गति को लेकर संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन मल्टीपरपज हॉल के कमरों और अन्य ढांचों का जायजा लिया, उन्होंने यूपी प्रोजेक्ट लिमिटेड के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अवशेष कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ शीघ्र, अति शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि इसे श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए खोला जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा नीब करौली की यह पवन भूमि केवल धार्मिक .ष्टिकोण से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि हजारों यह श्रद्धालुओं के लिए आस्था और अटूट विश्वास का केंद्र है, जो बाबा के बताएं मानवता और सेवा के मार्ग पर चलना सीखाते हैं, बाबा ने मानवता के लिए जो असीम संदेश दिया है, यह स्थान उस प्रेरणा को जीवित रखने का माध्यम बनेगा। इस परियोजना

की कुल स्वी.त लागत रुपए 865.98 लाख है, इसका 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, मल्टीपरपज हॉल का स्ट्रक्चर तैयार है, वर्तमान में प्लास्टर और फेंसिंग का कार्य किया जा रहा है, इस पर्यटन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कई आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही है, जिनमें डॉरमेट्री और डिजिटल लाइब्रेरी, लैंडस्केप एवं हॉर्टिकल्चर साइनेज एवं कल्चरल म्यूरल बॉल, साउंड सिस्टम एसी सिस्टम और डीजी सेट। अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि कार्य की समय सीमा से पूर्व अधिकतम सुविधाओं को क्रियाशील करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सके। जिससे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलें और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलें। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य, अपर जिलाधिकारी विशु राजा, उप जिलाधिकारी अंकित वर्मा, परियोजना निदेशक सुभाष चंद्र त्रिपाठी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी आदि उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय लोक अदालत नौ को, जिला जज ने प्रचार वाहनों को दिखाई हरी झंडी

- प्रचार वाहनों के जरिए लोगों को किया जा रहा जागरुक

न्यूज वाणी ब्यूरो

महोबा। राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर 9 मई को जिला न्यायालय

के अलावा प्रत्येक तहसील न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। लोक अदालत के आयोजन की जिले के अलावा ग्रामीणांचलों के लोगों को जानकारी दिए जाने को लेकर मंगलवार को जनपद न्यायाधीश राम नगीना यादव ने न्यायालय परिसर से प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाए जाने के बाद जिला जज ने बताया कि प्रचार वाहनों के माध्यम से नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में लाउडस्पीकर के जरिए आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में लोगों को जानकारी देकर जागरूक किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 9 मई को सुबह दस बजे से आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत मे समस्त शमनीय आपराधिक वाद, परक्राम्य लिखत की ध्ारा–138 के वाद, वाहन दुर्घटना प्रतिकर के वाद, वैवाहिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण के वाद, दीवानी वाद, बैंक वसूली वाद, किरायेदारी वाद, राजस्व वाद, वन अधिनियम के वाद, दीवानी, आपराधिक अपील, उपभोक्ता वाद, ट्रैफिक चालानी वाद, वेट एण्ड मेजरमेंट एक्ट के चालानी वाद का आपसी सुलह समझौते के साथ निस्तारण कराया जाएगा। बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में नगर पालिका चालानी वाद, पुलिस एक्ट के चालानी वाद, विद्युत अधिनियम के वाद, शहरी विकास अधिनियम के वाद, सिनेमेटोग्राफी एक्ट के चालानी वाद व आबकारी अधिनियम के चालानी वादों आपसी सुलह समझौते के आधार पर अधिक से अधिक संख्या मे निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने समस्त वादकारियों से अपने वादो को सुलह समझौते के आधार पर उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत मे अधिक से अधिक संख्या में वादो का निस्तारण कराने पर जोर दिया।

हनुमान मंदिर के बाहर चेन स्नेचिंग करने वाले चार शातिर गिरफ्तार, 500 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर वजीरगंज पुलिस ने किया खुलासा

(संवाददाता) लखनऊ। राजधानी के थाना वजीरगंज क्षेत्र में रकाबगंज स्थित हनुमान मंदिर के बाहर दर्शन करने आए श्रद्धालु से चेन छीनने की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीनी गई पीली धातु की चेन, घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल और स्कूटी बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ लखनऊ समेत अन्य जनपदों में लूट, झपटमारी, एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट के कई मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस के अनुसार 29 अप्रैल 2026 को वादी गौरव अग्रवाल निवासी टाटपट्टी कायस्थगली, यहियागंज थाना चौक ने थाना वजीरगंज में तहरीर देकर बताया था कि 28 अप्रैल की देर रात वह रकाबगंज स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन करने गए थे। इसी दौरान दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवार बदमाश उनकी चेन छीनकर फरार हो गए। मामले में थाना वजीरगंज पर मुकदमा संख्या 98/2026 धारा 304 बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना के अनावरण के लिए पुलिस उपायुक्त पश्चिमी, अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिमी तथा सहायक पुलिस आयुक्त चौक के निर्देशन में थाना वजीरगंज पुलिस और सर्विलांस पश्चिमी टीम का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने लगभग 400 से 500 सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। जांच के दौरान संदिग्धों की पहचान सुनिश्चित होने के बाद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रेजीडेंसी के सामने से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों में हैदर अली, मोहम्मद साहिल, शारिक अली और इमरान शामिल हैं। सभी आरोपी मूल रूप से सहारनपुर के रहने वाले हैं और वर्तमान में लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों में रह रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार करते हुए बताया कि वे नशे और शौक पूरे करने के लिए लूट और झपटमारी की घटनाओं को अंजाम देते हैं।पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे भीड़भाड़ वाले इलाकों और धार्मिक स्थलों के आसपास ऐसे लोगों को निशाना बनाते थे जो अकेले हों या जिनका ध्यान भटका हो। घटना वाले दिन भी उन्होंने मंदिर के बाहर रेकी कर पीड़ित को निशाना बनाया और बाइक से चेन छीनकर फरार हो गए।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीनी गई एक पीली धातु की चेन, घटना में प्रयुक्त काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल संख्या यूपी32 जेई 6439 तथा टीवीएस एनटॉर्क स्कूटी संख्या यूपी32 केएक्स 3578 बरामद की है।जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी पहले भी कई आपराधिक घटनाओं में शामिल रहे हैं। आरोपी हैदर अली के खिलाफ आर्म्स एक्ट, लूट और एनडीपीएस एक्ट के मुकदमे दर्ज हैं। वहीं मोहम्मद साहिल और शारिक अली पर भी लूट, एनडीपीएस और अन्य गंभीर धाराओं में अभियोग पंजीकृत हैं। पुलिस अब आरोपियों के अन्य आपराधिक नेटवर्क और घटनाओं में संलिप्तता की भी जांच कर रही है।पूरे मामले के खुलासे में थाना वजीरगंज पुलिस टीम और पश्चिमी जोन सर्विलांस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि राजधानी में झपटमारी और लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है तथा अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

गोमतीनगर पुलिस ने 2 किलो से अधिक गांजे के साथ तस्कर को दबोचा, एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

(संवाददाता) लखनऊ। थाना गोमतीनगर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 किलो 15 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के

अनुसार 06 मई 2026 को उपनिरीक्षक कंचन तिवारी द्वारा फर्द बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर थाना गोमतीनगर में मुकदमा संख्या 171/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कराया गया।पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त अजीत तिवारी पुत्र अचल शंकर तिवारी निवासी ग्राम छतापुर कला थाना टिकैतनगर जनपद बाराबंकी को हैनीमैन चौराहे से रेलवे क्रॉसिंग की ओर जाने वाले रास्ते पर गोमतीनगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी 06 मई की रात करीब 9रू15 बजे की गई।तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 2 किलो 15 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक आरोपी मादक पदार्थ की तस्करी में संलिप्त था और बरामद गांजा को बेचने की फिराक में क्षेत्र में आया था।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। फिलहाल उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक कंचन तिवारी, उपनिरीक्षक गुरप्रीत कौर, उपनिरीक्षक हिमांशु द्विवेदी तथा आरक्षी सूर्यप्रताप सिंह शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि राजधानी में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

कैम्पियरगंज पुलिस ने सुलझाई लूट की गुत्थी, तीन शातिर बदमाश दबोचे

-नकदी, मोबाइल और वारदात में प्रयुक्तदो बाइकें बरामद; पुलिस टीम को मिली बड़ी कामयाबी

(संवाददाता) गोरखपुर। कैम्पियरगंज,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा० कौस्तुभ द्वारा जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे जीरो टॉलरेंस अभियान के तहत कैम्पियरगंज पुलिस, एसओजी और स्वाट टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने बीते दिनों राहगीर से हुई लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लूट की नकदी और घटना में इस्तेमाल वाहन बरामद किए गए हैं। घ्सुनियोजित तरीके से दिया था वारदात को अंजाम जानकारी के अनुसार, बीते 25 अप्रैल को पीड़ित मेहदावल से पीपीगंज की ओर जा रहा था, तभी रास्ते में बाइक सवार तीन बदमाशों ने उसे रोककर मारपीट की और ध्77,000 सहित मोबाइल छीनकर फरार हो गए थे। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश शुरू की थी। घ्घेराबंदी कर हुई गिरफ्तारी प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर तीन अभियुक्तों, रविन्द्र निषाद (महराजगंज), मुन्ना लाल मौर्य, और गिरजेश यादव, (संतकबीर नगर) को गिरफ्तार किया। जामा तलाशी और निशानदेही पर पुलिस ने लूट के 13,000 रुपये नगद, एक मोबाइल और घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। ध्लगायी गईं गंभीर धाराएं पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धाराओं का बदलाव किया गया है। पूर्व में दर्ज धारा 304(2) को हटाकर अब अभियुक्तों पर धारा 310(2), 3(5) और 317(2) भारतीय न्याय संहिता (ठछै) के तहत कार्रवाई की जा रही है। सराहनीय रही टीम की भूमिका इस सफल अनावरण में प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार सिंह, एसओजी प्रभारी नीरज राय, स्वाट प्रभारी पुरुषोत्तम आनंद सिंह और सर्विलांस प्रभारी छोटेलाल राय की टीम का विशेष योगदान रहा। पुलिस प्रशासन ने टीम की इस तत्परता की सराहना की है।

दो पक्षों में चले लाठी-डंडे, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

न्यूज वाणी ब्यूरो

डलमऊ, रायबरेली। मामूली कहासुनी ने उस वक्त हिंसक रूप ले लिया जब दो पक्षों के बीच लाठी डंडे चल गए और लोगो की भीड़ इकठ्ठा हो गई। किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर

वायरल कर दिया।

जानकारी के अनुसार मुराई बाग मुख्य चौराहे से चंद कदमो की दूरी से डलमऊ रोड पर किसी बात को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए यह विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष लाठी डंडों से एक दूसरे पर हमला करने लगे। दोनों पक्ष एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश कर रहे थे।मौके पर अफरातफरी मच गई और लोगो की भीड़ जमा हो गई। मारपीट के दौरान कुछ महिलाएं भी बीच बचाव करते दिखाई दिए लेकिन दोनों पक्ष के लोग भिड़ते रहे। इस घटना का किसी ने वीडियो बना लिया और वायरल कर दिया जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा हर। इस मामले पर थाना प्रभारी राघवन सिंह ने बताया कि दुकान में तोड़फोड़ की गई और एनसीआर दर्ज की गई हैं तोड़फोड़ करने वाले को गिरतार किया गया है।

डीएम ने जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की ली बैठक

न्यूज वाणी ब्यूरो

बहराइच। जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। अधि.अभि. जल निगम–ग्रामीण द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन फेज–2 अन्तर्गत फर्म मेसर्स पीएनसी–एसपीएमएल (जे.वी.), जल जीवन मिशन फेज–5 अन्तर्गत फर्म मेसर्स जी.ए. इन्फ्रा–वी.पी.एल.(जे.वी) तथा जल जीवन मिशन अन्तर्गत फर्म मेसर्स वी.टी.एल. द्वारा कराये जा रहे कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया गया। डीएम द्वारा निर्देश दिये गये कि मिशन अन्तर्गत शिरोपरि जलाशय पूर्ण होने के उपरान्त नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जाये। डीएम ने निर्देश दिया कि गतिमान कार्यों को समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने हेतु कार्यस्थल पर आवश्यकतानुसार मैन पावर को बढ़ाया जाय। अधि.अभि. को निर्देशित किया गया कि योजनाओं की नियमित स्तर पर समीक्षा करते रहें। डीएम ने निर्देश दिया कि जल जीवन मिशन अन्तर्गत पाइप लाइन बिछाते समय क्षतिग्रस्त किये गये मार्गो का बिना पुर्ननिर्माण कराये भुगतान न किया जाये, साथ ही कार्यदायी संस्था द्वारा योजनावार रिस्टेटमेंट की वस्तुस्थिति का अवलोकन करने के उपरान्त ही भुगतान की कार्यवाही प्रस्तावित की जाये, जिससे पाइप डालने के उपरान्त जनप्रतिनिधियों व अन्य स्तर से प्राप्त होने वाली सड़क पुनर्निर्माण की खराब स्थिति से सम्बन्धित शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण कराया जा सके। डीएम ने निर्देश दिया कि ग्रीष्म ऋतु के मद्देनजर सुदूर क्षेत्रों में जनमानस को पेयजल उपलब्ध कराने हेतु नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। डीएम ने निर्देश दिया कि विकास खण्ड तेजवापुर, फखरपुर, हुजूरपुर एवं चित्तौरा में आर्सेनिक की जांच कराकर स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए ग्रामवासियों को आर्सेनिक से होने वाले संक्रमण के दुष्प्रभावों से अवगत कराया जाय। ट्रायल एण्ड रन मोड में संचालित 84 योजनाओं के बारे में कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया गया कि सुचारू संचालन सुनिश्चित करें। डीएम ने कहा कि परियोजना अन्तर्गत ग्रामों में संचालित विद्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्रों, पंचायत भवन एवं अन्य सरकारी भवनों में गृह जल संयोजन (टैप कनेक्शन) भवन के अन्दर अनिवार्य रूप से किया जाये। पाइप पेयजल योजना की वितरण प्रणाली को डालने में आ रही समस्याओं के समाधान हेतु निर्देश दिया गया कि लोक निर्माण विभाग, बीएसएनएल से समन्वय स्थापित करते हुए निराकरण कराया जाय। डीएम श्री त्रिपाठी ने अधि.अभि. जल निगम को निर्देश दिया कि जिला पंचायत अधिकारी से समन्वय कर अवशेष 24 परियोजनाओं को शीघ्र की अपलोड कराकर हस्तान्तण की कार्यवाही पूर्ण करें। डीएम ने कार्यदायी संसथाओं व जल निगम के जिम्मेदारान को निर्देश दिया कि घरों में दिये जा रहे एफ.एच.टी.सी. का प्रेशर हेड से टेल तक दुरूस्त होना चाहिए। निर्देश दिया गया कि पूर्ण किये गये पाइप पेयजल योजनाओं से प्रत्येक घर में प्रतिदिन सुबह–शाम पानी अवश्य उपलब्ध कराया जाय साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि हर घर जल योजना से समस्त घर आच्छादित हो जाएं, कोई भी घर अवशेष न रहे। डीएम ने निर्देश दिया कि परियोजना अधिकारी से नल जल मित्र की सूची प्राप्त कर अवशेष ग्रामसभा के जल मित्र की संख्या अपलोड कराकर पूर्ण कराया जाये। बैठक के दौरान अधि. अभि. को निर्देशित किया कि जहा भी परियोजनाओं के परिसर में भूमि पटान की आवश्यकता हो तो उस ग्राम पंचायत के मनरेगा व ग्राम प्रधान से समन्वय स्थापित कर उक्त कार्य को पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। डीएम ने सभी सम्बन्धित को निर्देश दिया कि ''जल जीवन मिशन'' योजना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजना है, इसलिए निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाय। सभी सम्बन्धित यह भी सुनिश्चित करें कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम मे संचालित सभी कार्यो में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। डीएम ने सचेत किया कि यदि शिकायत प्राप्त होती है तो सम्बधित के विरूद्ध आवश्यक दण्डात्मक कार्यवाही भी की जायेगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता, अधिषासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण), अधिषासी अभियन्ता, मध्यांचल विद्युत वितरण खण्ड प्रथम, द्वितीय, तृतीय, डी.पी.एम.यू सहित कार्यदायी संस्था व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

पुलिस ने चलाया व्यापक यातायात सुरक्षा अभियान

न्यूज वाणी ब्यूरो

महोबा। पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह के निर्देश में जनपद में यातायात व्यवस्था को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर सघन वाहन चेकिंग एवं प्रवर्तन अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। प्रभारी यातायात सुनील कुमार सिंह द्वारा मय यातायात पुलिस टीम के साथ जनपद के विभिन्न प्रमुख चौराहों, तिराहों, बाजार क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थानों पर दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की सघन चेकिंग की

गई। अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने, बिना ड्राइविंग लाइसेंस, तीन सवारी बैठाकर वाहन संचालन करने, सीट बेल्ट का प्रयोग न करने एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करते हुए कुल 112 वाहनों के चालान किए गए। चेकिंग के दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, आवश्यक दस्तावेज साथ रखने तथा सुरक्षित एवं जिम्मेदार वाहन संचालन हेतु प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त स्कूल वाहनों का विशेष चेकिंग अभियान चलाकर उनकी विधिवत जांच की गई, जिसमें विशेष रूप से वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, सीट बेल्ट एवं आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की जांच की गई। जांच के दौरान कमियां पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों, वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम की धाराओं में नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। साथ ही खन्ना–कबरई हाईवे पर पहुंचकर सीसी टीम खन्ना को स्पीड राडार गन के माध्यम से ओवर स्पीडिंग करने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई किए जाने हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण उपरांत स्पीड राडार गन के माध्यम से ओवर स्पीडिंग करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई कराई गई तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर चालान किए गए। पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

पीजी कॉलेज में कृषि व कृषि शिक्षा में कैरियर की संभावनाएं कार्यशाला आयोजित

न्यूज वाणी ब्यूरो

गाजीपुर। पीजी कॉलेज के .षि संकाय द्वारा 6 मई को महाविद्यालय के कक्ष संख्या 28 में .षि और .षि शिक्षा में कैरियर की संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र–छात्राओं को .षि क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यशाला में बोलते हुए प्रोफेसर (डॉ.) जी. सिंह ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को .षि क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान एवं उद्यमिता की ओर प्रेरित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि .षि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। वर्तमान समय में सरकारी विभागों, निजी उद्योगों, .षि व्यवसायिक संस्थानों, बैंकिंग क्षेत्र, अनुसंधान संगठनों एवं शैक्षणिक संस्थानों में कुशल .षि विशेषज्ञों की मांग निरंतर बढ़ रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान, संप्रेषण कौशल तथा व्यावहारिक अनुभव विकसित करने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे अपने कैरियर में सफलता प्राप्त कर सकें। डॉ. एसएस यादव ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए छात्र जीवन में कैरियर नियोजन के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को प्रारंभिक अवस्था में ही अपनी रुचियों एवं क्षमताओं की पहचान कर उसी के अनुरूप तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने .षि क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा के अवसरों तथा

व्यावसायिक कौशल विकास के महत्व पर भी विशेष बल दिया। डॉ. अशोक कुमार ने आधुनिक .षि शिक्षा तथा उभरते हुए क्षेत्रों जैसे जैविक खेती, प्रिसिजन फार्मिंग, एग्री–स्टार्टअप, खाद्य प्रसंस्करण, .षि जैव प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल .षि के संबंध में अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचारी विचारों को अपनाने तथा उद्यमिता एवं .षि व्यवसायिक गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता आचार्यकुलम एग्री बिजिनेस मैनेजमेंट स्कूल के प्रोफेसर अमित कुमार साहू ने .षि क्षेत्र में कैरियर के अवसरों पर विस्तृत एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने .षि स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए सरकारी विभागों, .षि विश्वविद्यालयों, .षि विज्ञान केंद्रों, बीज उद्योगों, उर्वरक कंपनियों, कीटनाशक उद्योगों, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों, .षि विपणन क्षेत्रों तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों में उपलब्ध रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र में .षि क्षेत्र अधिकारी, नाबार्ड तथा ग्रामीण विकास बैंकों में उपलब्ध संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। श्री साहू ने जेआरएफ, एसआरएफ, यूपीएससी राज्य .षि सेवाओं तथा अन्य .षि भर्ती परीक्षाओं की तैयारी के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को विषय ज्ञान, संप्रेषण कौशल, विश्लेषणात्मक क्षमता तथा व्यावहारिक समझ विकसित करके इन परीक्षाओं की व्यवस्थित तैयारी करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। अपने व्याख्यान के दौरान मुख्य वक्ता ने .षि में प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म, .त्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन तकनीक, जलवायु–स्मार्ट .षि तथा प्रिसिजन फार्मिंग आधुनिक .षि को तेजी से परिवर्तित कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी प्रगति के अनुरूप स्वयं को अद्यतन रखने तथा आधुनिक प्रवृत्तियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि हो सके। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. योगेश कुमार एवं आयोजन सचिव प्रो. (डॉ.) जी. सिंह ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ० शिव शंकर सिंह यादव, डॉ० रामदुलारे, सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों की सहभागिता रही। सभी ने कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

निर्दलीय प्रत्याशी ने नगर पंचायत उपचुनाव जीतकर बदले समीकरण

न्यूज वाणी ब्यूरो

शाहजहांपुर। कटरा नगर पंचायत उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी डॉ. पूजा कसाना ने शानदार जीत दर्ज कर राजनीतिक समीकरण बदल दिए। चुनाव परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। डॉ. पूजा कसाना को कुल 4301 मत प्राप्त हुए

और उन्होंने भाजपा प्रत्याशी सोनम गुप्ता को 401 वोटों से हराकर जीत हासिल की। भाजपा प्रत्याशी सोनम गुप्ता को मात्र 3900 वोट मिले। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी वाजिद अली तीसरे स्थान पर रहे। कटरा उपचुनाव का परिणाम सामने आने के बाद इलाके की राजनीति गरमा गई है। जनता के बीच चर्चा है कि तमाम चुनावी रणनीति, बड़े नेताओं की सक्रियता और पूरी ताकत झोंकने के बावजूद भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह नतीजा जनता का बड़ा संदेश माना जा रहा है, जिसने राजनीतिक दलों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। उपचुनाव के नतीजों ने यह साफ कर दिया कि स्थानीय मुद्दे, जनता की नाराजगी और अंदरूनी समीकरण इस चुनाव में निर्णायक साबित हुए। जीत के बाद डॉ. पूजा कसाना समर्थकों के साथ जश्न मनाती नजर आईं, जबकि राजनीतिक गलियारों में हार–जीत को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

जल संरक्षण को लेकर चार सौ बच्चों ने ली शपथ

न्यूज वाणी ब्यूरो

लहरपुर, सीतापुर। राष्ट्रीय सेवा योजना बूंद बूंद जल सहेजने की विद्यालय के लगभग 400 बच्चों ने ली शपथ विद्यालय के सेवक सेविकाओं ने वर्ष 2026 27 में जल संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत जल को संरक्षित करने एवं बहते हुए जल को रोकने के लिए नगर

की पानी की टंकियां घर में अधिक बेकार करने वाला पानी को सीमित करने के लिए सेवक सेविकाओं को निम्न उपाय बताए गए और जल संरक्षित को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही साथ जल संरक्षण की सेवक सेविकाओं को शपथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी विजय कुमार निगम ने बच्चों सेजल संरक्षण के अनेक नारे लगवाए जिनमें से जल बचाएं जीवन बचाएं जल की रक्षा करो कल की रक्षा करो जल है तो कल है। पानी की रक्षा देश की सुरक्षा नारे लगवाए प्रधानाचार्य अवधेश कुमार अवस्थी ने जल को स्वच्छ रखने तथा गंदगी से बचाव के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम करने के तरीके बताएं पशु पक्षियों के पानी पीने की व्यवस्था के लिए घर में एक स्थान पर पानी संरक्षित करने के लिए सेवक सेविकाओं को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विनोद कुमार शुक्ला रमेश चंद्र मिश्रा अजीम अहमद नीता सिंह शैल सिंह उपस्थित रहे सभी का आभार व्यक्त किया।

अनियंत्रित कार ने दो बाइकों में मारी टक्कर, चार घायल, एक रेफर

- घटना को अंजाम देने वाला चालक कार सहित मौके से फरार
- पुलिस कार का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरों को खंगालने में जुटी

न्यूज वाणी ब्यूरो

महोबा। शहर के राजकीय इंटर कालेज के समीप एक अनियंत्रित कार ने दो बाइकों में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक में सवार एक मासूम बच्ची सहित चार लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां पर एक घायल की हालत में सुधार न होने पर डाक्टर ने मेडिकल कालेज झांसी के लिए रेफर कर दिया। घटना को अंजाम देने वाला चालक कार सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस कार सवार का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का खंगाले में जुटी हुई है। शहर के मोहल्ला रामनगर निवासी गणेशी प्रजापति (35) अपनी 32 वर्षीय पत्नी गंगावती और 12 साल की बेटी अंशिका के साथ बाइक पर सवार होकर एक शादी समारोह में जा रहे थे। बाइक सवार जैसे ही राठ रोड स्थित राजकीय मुकुंदलाल इंटर कालेज के समीप पहुंचे ही थे तभी सामने से आ रही तेज रतार अनियंत्रित कार ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार पति पत्नी और बेटी सड़क घायल होकर गिर गए। घटना के बाद कार सवार सहम गया और तेज गति से भागने का प्रयास करते समय एक अन्य बाइक में भी टक्कर मार दी, जिससे बाइक में सवार रवींद्र (20) भी सड़क पर गिरकर घायल हो गया। दो बाइकों में टक्कर मारने के बाद कार सवार मौके से फरार होने में सफल हो गया। घटना देख बालू डंप पर बैठे जीतू यादव व आसपास के लोगों ने मानवता का परिचय देते हुए मौके पर पहुंचे और 108 एम्बुलेंस

को फोन कर बुलाकर घायलों को जिला अस्पताल ले गए। अस्पताल में डॉक्टरों व उनकी टीम नेघायलों का प्राथमिक इलाज शुरू किया। इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉ. शिशुपाल ने बताया कि गणेशी, गंगावती और अंशिका को कम चोटे आने के कारण उनकी स्थिति सामान्य है, लेकिन रविंद्र की गंभीर होने पर उसे झांसी के हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी करते हुए कार व चालक की तलाश के लिए पूछताछ कर सीसीटीवी कैमरों को चेक करने में जुट गई, जिससे कार चालक का पता लगाया जा सके।

अज्ञात वाहन की ठोकर से शिक्षामित्र की मौत

न्यूज वाणी ब्यूरो

रामगांव, बहराइच। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोविंदपुर विकास खण्ड महसी के प्राथमिक विद्यालय गोविंदपुर विकास खण्ड

महसी में संजय कुमार मौर्य शिक्षामित्र के पद पर कार्यरत थे। कल शाम को वह गोविंदपुर चौराहा (भुवाल चौराहे) पर प्रतिदिन की तरह साग सब्जी लेने गए थे। रात्रि में घर वापस आते समय किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए और गम्भीर रूप से घायल हो गए। परिजन उनको लेकर अस्पताल गए। जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रामगांव थाना प्रभारी गुरुसेन सिंह ने पंचनामा भर कर शव को पोस्टमास्टम हेतु भेजा है। खबर लिखे जाने तक शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया है। गोविंदपुर इलाके में पुलिस की पैनी नजर है। मौके पर शांति व्यवस्था वनी हुई है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। दाह संस्कार की तैयारी हो रही है।

एमएलसी ने 48 आंगनबाड़ी सहायिकाओं को दिए नियुक्तिपत्र

– 20 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को मिली स्मार्ट फोन की सौगात

न्यूज वाणी ब्यूरो

बहराइच। विकास भवन सभागार में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता के साथ जनपद अन्तर्गत बाल विकास परियोजना नगर में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त 83 पदों के सापेक्ष नव चयनित 48 आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र एवं 20 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्ट फोन का वितरण किया गया। इस

अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी निहारिका विश्वकर्मा, बाल विकास परियोजना अधिकारी नगर अनुज कुमार, बाल विकास परियोजना अधिकारी हुजूरपुर विमल कुमार सिंह व बाल विकास परियोजना अधिकारी, फखरपुर अंजली गुप्ता सहित चयनित अभ्यर्थी व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

ओवरलोड वाहनों से बढ़ रहा हादसों का खतरा, जमोग बाजार में लगा जाम

न्यूज वाणी ब्यूरो

बहराइच, चरदा। जमोग बाजार में बृहस्पतिवार को एक भूसी लदा ओवरलोड ट्रक सड़क पर फंस जाने से काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही। जाम के कारण राहगीरों, ग्रामीणों और

दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बाजार क्षेत्र में वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे आवागमन बाधित रहा। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार ओवरलोड वाहन गुजर रहे हैं, जिससे सड़क हादसों का खतरा बढ़ गया है। लोगों ने प्रशासन से ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीण शिव साहू, सफीक अहमद, पंकज, शेर रमेश और नानकाई ने बताया कि ओवरलोड वाहनों की वजह से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से बाजार क्षेत्र में नियमित जांच अभियान चलाकर ओवरलोड वाहनों पर रोक लगाने की मांग की है।

कलेक्ट्रेट सभागार में बाढ़ स्टेयरिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

न्यूज वाणी ब्यूरो

महोबा। डीएम गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में बाढ़ स्टेयरिंग कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा समस्त तहसीलों के उपजिलाधिकारी को बाढ़ चौकी की स्थिति देखने और ठीक करने एवं उन पर कर्मचारियों के ड्यूटी लगाए जाने के निर्देश दिए सभी चौकियों पर कर्मचारियों के नाम व मोबाइल नंबर, संबंधित एसएचओ के नंबर एवं गोताखोरों की लिस्ट लगाए जाने एवं नाव की उपलब्धता एवं उसके मालिक के नाम व नंबर लिस्ट तैयार किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। सिंचाई विभाग को जनपद की उर्मिल, चंद्रावल, मझगांव, कबरई

लहचुरा बांधों के जल स्तर की लगातार निगरानी रखने एवं जलस्तर बढ़ने पर बांधों का पानी छोड़ने के पूर्व सूचना से जिला स्तरीय कंट्रोल रूम को अवगत कराया जाये। बांधों के आस पास के जिस–जिस ग्राम में बांधों का जलस्तर बढ़ने पर पानी छोड़ने पर प्रभावित होने की संभावना रहती है। बांधों के आस पास के उन ग्रामों में राजस्व एवं पुलिस की टीम का गठन करने के निर्देश दिए गए। संबंधित टीम उस ग्राम के लोगों को सिंचाई विभाग से प्राप्त सूचना के माध्यम से ग्राम वासियों को सूचित किया जायेगा। स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल किट तैयार किए जाने के निर्देश दिए गयें हैं। जिससे बाढ़, अतिवृष्टि के समय बाढ़ पीड़ित परिवारों को मेडिकल सुविधा तत्काल प्रदान की जा सके। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को भूसा की पर्याप्त मात्रा रखे जाने एवं पशुओं के टीकाकरण के निर्देश दिए गयें। वैकल्पिक स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने के लिए समस्त नगरीय निकाय को निर्देशित किया गया। सिंचाई विभाग ऐसे बांधों एंव तालाबों का विश्लेषण कर लें जहां डूबने की घटनाएं हुई हैं, वहां पर सुरक्षात्मक उपाय कर लें। जिससे डूबने की कोई घटना न हो। बांधों पर ड्यूटी पर लगे सिंचाई विभाग की टीम के लिए रस्सी, लाईफ जैकेट हेलमेट, टार्च, बोट रस्सी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। सिंचाई विभाग को समस्त बांधों पर स्टाफ का बेसिक मॉक ड्रिल करने एवं विडियोग्राफी डॉक्यूमेंटेशन के निर्देश दिए गए। राजस्व विभाग को जिन ग्रामों में रपटा टूटने पर संपर्क मार्ग 2 से तीन दिन तक बाधित रहता है। उन ग्रामों का पुनः चिन्हिकरण करने एवं वहां कोई वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। मानसून सत्र के पूर्व जनपद के सभी नाले एंव नालियों के सफाई के निर्देश दिए गए, ताकि जलभराव की स्थिति न उत्पन्न हो। अन्य उपस्थित विभागों को भी आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) कुंवर पंकज, उपजिलाधिकारी शिवध्यान पांडेय, उपजिलाधिकारी कुलपहाड़, अधिशासी अभियंता महोबा/मौदहा बाध, जल संस्थान, मुख्य पशु चिकित्सा, स्वास्थ विभाग, जिला .षि अधिकारी, समस्त नगरीय निकाय, आपदा विशेषज्ञ प्रीति सिंह आदि उपस्थित रहे।

पिता पुत्र को ट्रक ने रौंदा, पुत्र की मौत, पिता गंभीर

न्यूज वाणी ब्यूरो

बांदा। देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के गुरेह चौराहे के पास मोपेड सवार पिता पुत्र को ट्रक ने रौंद दिया। इसके बाद मोपेड

गाडी सहित पन्द्रह वर्षीय पुत्र ट्रक में फंस गया जिससे मोपेड गाडी और पंद्रह वर्षीय पुत्र को ट्रक ने कई सौ मीटर घसीटता हुआ चला गया ट्रक में फंसी मोपेड से निकली चिंगारियों से आग लग गई और ट्रक भी धूं धूं कर जलने लगा ट्रक ड्राइवर और खलासी मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस और दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया है। हादसे में पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई और पिता की हालत गंभीर है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

डीएम ने ली वृक्षारोपण समिति की बैठक, दिए निर्देश

- जिले में 54 लाख 91 हजार पेड़ लगाए जाने का रखा लक्ष्य

न्यूज वाणी ब्यूरो

बांदा। जिले में 54 लाख 91 हजार वृक्ष रोपे जाने का डीएम ने विभागों को लक्ष्य दिया है। साथ ही विभागीय अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप कार्ययोजना बनाये जाने तथा गड्ढा खुदान हेतु स्थान चिन्हित कर सूचना उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये हैं। जिलाधिकारी अमित आसेरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, पर्यावरण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में पौधारोपण लक्ष्य 54 लाख 91 हजार कराये जाने के सम्बन्ध में विभागीय अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य योजना बनाये जाने तथा गड्ढा खुदान हेतु स्थान चिन्हित कर सूचना उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये हैं। डीएम ने निर्देशित किया कि वृक्षारोपण हेतु कार्य योजना 20 मई तक तथा गड्ढा खुदान एवं स्थल चयन की सूचना 25 मई तक प्रत्येक दशा में प्रभागीय वनाधिकारी को उपलब्ध करायें। उन्होंने विकास खण्डों में वन क्षेत्र विकसित किये जाने हेतु भूमि चिन्हित करने के भी निर्देश दिये हैं। उन्होंने पौध

की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश प्रभागीय वनाधिकारी को दिये। डीएम अमित आसेरी ने प्रगतिशील किसानों, आंगनबाडी केन्द्रों, विद्यालयों तथा कस्तूरबागांधी विद्यालयों में वृक्षारोपण कराये जाने हेतु भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिये। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता को बाईपास रोड सहित अन्य रोडों के किनारे वृक्षारोपण किये जाने हेतु स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिये। उन्होंने वृक्षारोपण के उपरान्त पौधों को जीवित रखने हेतु तार फनेसिंग कराये जाने के निर्देश भी दिये। उन्होंने आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक में खाली पडे स्थानों पर खनन लीज होल्डरों के द्वारा भी वृक्षारोपण कराये जाने के निर्देश दिये। डीएम ने निर्देशित किया कि पर्यावरण को सन्तुलित रखने हेतु सॉलिड बेस्ट मैनेजमेन्ट के अन्तर्गत कूडे का उचित निस्तारण आरआरसी सेन्टरों एवं चिन्हित स्थानों पर किया जाए। उन्होंने पतली पॉलीथीन के उपयोग पर रोक लगाये जाने हेतु अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये। नदियों के किनारे आर्गेनिक फार्मिंग हेतु स्थानों को चिन्हित किये जाने तथा प्रा.तिक खेती को बढाये जाने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि नदियों में गन्दा पानी प्रवाहित नही होने पाये। इसलिए निम्नीपार नाला और करिया नाला की प्रदूषण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय,अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मदन मोहन वर्मा, अपर जिलाधिकारी कुमार धर्मेन्द्र सहित प्रभागीय वनाधिकारी अरबिन्द कुमार सहित सम्बन्धित विभगों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी वृद्धि के विरोध में हंगामा

- व्यापारियों ने राष्ट्रपति को संबोधित नौ सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई भारी वृद्धि के विरोध में उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश पंजी.त के बैनर तले सैकड़ों व्यापारियों ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को संबोधित नौ सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा। व्यापारियों ने बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लेने तथा गैस पर जीएसटी कम करने की मांग उठाई। जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित के नेतृत्व में व्यापारियों ने कहा कि कमर्शियल गैस के दामों में लगातार वृद्धि से छोटे एवं घरेलू कुटीर उद्योग बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, कैटरिंग व्यवसाय, डेयरी संचालक और ठेला–पटरी पर खाद्य सामग्री बेचने वाले छोटे व्यापारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। व्यापारियों ने कहा कि घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ता अंतर गैस की कालाबाजारी को बढ़ावा देगा, जिससे बाजार व्यवस्था प्रभावित होगी। ज्ञापन में मांग की गई कि कमर्शियल गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा घरेलू गैस की तरह इसकी ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था लागू की जाए। संगठन ने केंद्र सरकार से गैस के वैकल्पिक संसाधनों पर अनुसंधान समिति गठित करने, महंगाई पर नियंत्रण के लिए बढ़ी हुई दरें वापस लेने तथा कमर्शियल गैस पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने की मांग की। साथ ही विवाह समारोह, अस्पतालों और स्कूलों के लिए आवश्यकता अनुसार गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई गई। व्यापारियों ने यह भी मांग की कि गोदाम से गैस डिलीवरी लेने पर एजेंसियों को दिए जाने वाले

भाड़े को बिलों में कम किया जाए तथा कमर्शियल गैस की कमी की स्थिति में उद्योगों को पुराने वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग की अनुमति देते हुए प्रदूषण एवं एनजीटी नियमों में पांच वर्षों की छूट प्रदान की जाए। इस दौरान प्रदेश मंत्री मंजू लता द्विवेदी, हाजी अब्दुल मन्नान मंसूरी, सरदार मंजीत सिंह, कामिल कुरैशी, अजीत कुमार, सुनील कुशवाहा, सै लकी, सिकंदर वारसी, शकीला बेगम, विपिन कुशवाहा, सत्यम दीक्षित, पूर्वी सक्सेना, धर्मेंद्र यादव, शेख नवाब, देव गुप्ता, सुमन यादव सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

7 से 21 तक चलेगा स्व-गणना अभियान, डीएम ने जारी किया कार्यक्रम

न्यूज वाणी ब्यूरो

फिरोजाबाद। भारत की जनगणना–2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) को लेकर जनपद में तैयारियाँ तेज हो गई हैं। जिलाधिकारी/प्रमुख जनगणना अधिकारी द्वारा आज इस संबंध में एक विस्तृत आदेश जारी कर जनपद के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए स्व–गणना का तिथिवार कार्यक्रम घोषित किया गया है। शासन के निर्देशानुसार, यह विशेष अभियान 07 मई से शुरू होकर 21 मई तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान के तहत विभिन्न श्रेणियों के लोग आधिकारिक पोर्टल पर जाकर स्वयं अपनी गणना दर्ज कर सकेंगे। अभियान का मुख्य आकर्षण एवं कार्यक्रमः 07 मई (राजस्व, प्रशासनिक

दिवस) कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 10 बजे जनपद स्तरीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा स्व–गणना की जाएगी। इसी दिन तहसील सदर, टूण्डला, शिकोहाबाद, सिरसागंज और जसराना में भी संबंधित उप जिलाधिकारियों की देखरेख में प्रातः 11 बजे से यह प्रक्रिया संपन्न होगी। 08 मई (स्थानीय प्रशासन, ग्रामीण विकास दिवस) नगर निगम के जनप्रतिनिधियों, ब्लॉक प्रमुखों, ग्राम प्रधानों और संबंधित विभागों के कर्मचारियों के लिए स्व–गणना का समय निर्धारित किया गया है। 10 मई पद्म पुरस्कार विजेताओं, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं और उच्च घनत्व वाले आबादी क्षेत्रों के नागरिकों के लिए विशेष सत्र आयोजित होंगे। 11 मई (न्यायिक दिवस) जनपद न्यायालय में जिला जज एवं अन्य न्यायिक अधिकारियों द्वारा स्व–गणना की जाएगी। इसी दिन जिला एवं तहसील बार एसोसिएशन के पदाधिकारी भी अपनी गणना दर्ज करेंगे। 12–14 मई पुलिस विभाग, यूनिफॉर्म फोर्सेज, बैंकिंग सेक्टर, कोषागार और शिक्षा विभाग (शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी) के लिए तिथियाँ आरक्षित की गई हैं। संसाधनों की उपलब्धताः जिलाधिकारी ने संबंधित चार्ज अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्व–गणना के लिए निर्धारित स्थलों पर आवश्यक संसाधन जैसे लैपटॉप, टैबलेट और स्मार्टफोन के साथ–साथ प्रगणक व सुपरवाइजरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। जिला प्रशासन ने जनपद के सभी लक्षित समूहों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों पर डिजिटल माध्यम से इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें और अपनी स्व–गणना सुनिश्चित करें। अंत में जिलाधिकारी ने सभी जनपदवासियों से अपील की है की राष्ट्र के स्वर्णिम भविष्य के निर्माण में आपकी एक सही जानकारी, विकास कि एक नई नींव रखेगी, जैसा कि आप अवगत हैं कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य प्रारंभ हो गया है। आप सभी स्व गणना के माध्यम से अपनी गणना स्वयं ही पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं आगामी जनगणना अभियान के सफल संचालन हेतु मैं आप सभी का सहयोग चाहता हूं।

पाक्सो मामले में दोषी को आजीवन कारावास

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। पुलिस और अभियोजन की प्रभावी पैरवी के चलते पाक्सो एक्ट के एक गंभीर मामले में न्यायालय ने दोषी को कठोर सजा सुनाई है। एडीजे, स्पेशल जज (पोक्सो एक्ट) न्यायालय ने अभियुक्त विकास राठौर निवासी मोहल्ला मडैया शिवनरायण थाना कोतवाली को शेष प्रा.तिक जीवनकाल तक आजीवन कारावास एवं एक लाख रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। मामला थाना कोतवाली क्षेत्र का है, जहां वर्ष 2023 में छह वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म एवं छेड़छाड़ की घटना सामने आई थी। पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर 25 मार्च 2023 को थाना कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलित कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत पुलिस, मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन टीम ने मामले की लगातार प्रभावी पैरवी की। एडीजीसी आशीष तिवारी, पैरोकार कांस्टेबल रोहित कुमार एवं पुलिस टीम द्वारा न्यायालय में साक्ष्य प्रस्तुत किए गए, जिसके परिणामस्वरूप न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

खाद्य विभाग की कार्रवाई पर व्यापार मंडल में आक्रोश

– मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन आज सौंपेंगे व्यापारी

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई से पीड़ित तेल व्यापारी गौरव अग्रवाल से उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पदाधिकारियों ने मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी ली। व्यापारियों ने विभाग पर उत्पीड़न और धन उगाही का आरोप लगाते हुए तीखा विरोध जताया तथा चेतावनी दी कि यदि विभाग की कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन चलाया

जाएगा। प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. एके शर्मा, जिला वरिष्ठ महामंत्री हरि गोपाल शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शहर अध्यक्ष ओम रतन कश्यप, युवा जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता तथा जिला उपाध्यक्ष राजीव कुमार पाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल व्यापारी गौरव अग्रवाल के प्रतिष्ठान पहुंचा। व्यापारी गौरव अग्रवाल ने बताया कि खाद्य विभाग द्वारा उनकी दुकान से 44 बार नमूने लिए गए, लेकिन एक भी नमूना फेल नहीं हुआ। इसके बावजूद उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उन्होंने मामले की शिकायत जनप्रतिनिधियों से की तो विभागीय अधिकारी नाराज हो गए और उत्पीड़न की धमकी देने लगे। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापारियों का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला वरिष्ठ महामंत्री हरि गोपाल शुक्ला ने बताया कि 8 मई को प्रातः 10.30 बजे विभिन्न व्यापारी संगठन जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपेंगे। युवा जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता एवं युवा शहर अध्यक्ष मुकेश दुबे ने अधिक से अधिक व्यापारियों से कचहरी पहुंचकर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। इस दौरान व्यापार मंडल के अनेक पदाधिकारी एवं व्यापारी नेता मौजूद रहे।

बिना परमिट चल रहे स्कूल वाहनों पर परिवहन विभाग सख्त

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने बिना परमिट संचालित स्कूल वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर दिया है। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) ने बताया कि शासन के निर्देश पर जनपद में अनाधि.त स्कूली वाहनों के विरुद्ध लगातार प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। विभाग के अनुसार कई स्कूलों द्वारा वाहनों को पोर्टल पर ऑनबोर्ड कराने के बावजूद आवश्यक सुधार नहीं कराए गए हैं, जबकि अनेक वाहन बिना परमिट के बच्चों के परिवहन में लगे हुए हैं। स्कूल संचालकों और वाहन स्वामियों को कई बार सूचित किए जाने के बाद भी परमिट नहीं बनवाए जा रहे हैं। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रवर्तन अभियान के दौरान बिना परमिट संचालित स्कूल वाहनों को सीज कर संबंधित थानों में बंद किया जा रहा है तथा चालान की कार्रवाई भी की जा रही है। इसी संबंध में गुरुवार को परिवहन कार्यालय में एक आवश्यक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर वाहन स्वामियों को नियमों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि वाहन स्वामी शीघ्र ऑनलाइन आवेदन कर स्कूल परमिट प्राप्त कर लें, अन्यथा वाहनों को ब्लैकलिस्ट कर पंजीयन निलंबन अथवा निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। जनपद में वर्तमान में लगभग 800 स्कूल वाहन पंजी.त हैं। इनमें से 672 वाहनों को न्चैटडच पोर्टल पर ऑनबोर्ड किया जा चुका है तथा 654 वाहनों का निरीक्षण भी किया गया है। इसके बावजूद अभी 175 स्कूल वाहन ऐसे हैं जिन्होंने परमिट नहीं लिया है। विभाग ने ऐसे सभी वाहन स्वामियों से तत्काल परमिट लेने और पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग की प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

राज्य महिला आयोग सदस्य ने सुनी महिलाओं की फरियाद

– 15 दिन में शिकायतों के निस्तारण के दिए निर्देश

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी ने बुधवार को विकास भवन स्थित प्रेरणा सभागार में महिला जनसुनवाई कर पीड़ित महिलाओं की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई

के दौरान महिला उत्पीड़न और पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। कार्यक्रम में कुल पांच शिकायत पत्र प्राप्त हुए, जिन पर आयोग सदस्य ने संबंधित अधिकारियों को 15 दिनों के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं को त्वरित न्याय दिलाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान संचालित किया जा रहा है। पूनम द्विवेदी ने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं की छोटी–बड़ी शिकायतों को गंभीरता से लेकर त्वरित कार्रवाई करना सभी विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है, ताकि पीड़ितों को न्याय के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की प्रताड़ना या सम्मान को ठेस पहुंचाने की स्थिति में महिलाएं बेझिझक शिकायत दर्ज करा सकती हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई के दौरान अपने पूर्व कार्यों की प्रगति रिपोर्ट लिखित रूप में प्रस्तुत करें तथा सरकार की योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर सीओ जसवंतनगर आयुषी सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी लक्ष्मीकांत त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं पीड़ित महिलाएं मौजूद रहीं।

डीएम ने खुद की स्व-गणना, बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। जनगणना–2027 के प्रथम चरण के तहत जिले में गुरुवार से स्व–गणना अभियान की शुरुआत हो गई। अभियान के पहले दिन कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने स्वयं अपनी स्व–गणना कर स्व–गणना पहचान संख्या (एसई आईडी) जनरेट की। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी कार्यालयाध्यक्षों को निर्धारित समय सीमा के भीतर स्व–गणना प्रक्रिया पूर्ण करने

के निर्देश दिए। साथ ही मीडिया प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने–अपने संस्थानों के माध्यम से आमजन को जागरूक करें, ताकि अधिक से अधिक लोग स्व–गणना में भागीदारी निभा सकें। डीएम ने कहा कि स्व–गणना प्रक्रिया से लोगों को घर बैठे अपनी जानकारी दर्ज कराने की सुविधा मिलेगी, जिससे जनगणना कार्य अधिक पारदर्शी और सुगम बनेगा। उन्होंने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि यह अभियान 07 मई से 21 मई तक संचालित होगा, इसलिए सभी लोग समय रहते अपनी स्व–गणना अवश्य करें। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे स्व–गणना अभियान में सक्रिय भागीदारी कर जनगणना–2027 को सफल बनाने में सहयोग करें।

पालिकाध्यक्ष व वरिष्ठ बाबू ने की स्व-गणना, लोगों से अपील

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। जनगणना–2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत चल रहे स्व–गणना अभियान को लेकर नगर पालिका परिषद फतेहपुर में जागरूकता अभियान तेज हो गया है। बुधवार को नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजकुमार मौर्य एवं वरिष्ठ बाबू मोहम्मद हबीब ने स्वयं स्व–गणना कर अपनी एसई आईडी जनरेट की और

नगरवासियों से भी इसमें बढ़–चढ़कर भागीदारी करने की अपील की। नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार मौर्य ने कहा कि जनगणना किसी भी देश के विकास की आधारशिला होती है। सही आंकड़ों के आधार पर ही सरकार विभिन्न योजनाओं का निर्माण और क्रियान्वयन करती है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक 21 मई तक अनिवार्य रूप से अपनी स्व–गणना पूरी करें, ताकि जनगणना का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। वहीं वरिष्ठ बाबू मोहम्मद हबीब ने बताया कि स्व–गणना की प्रक्रिया बेहद आसान और सुविधाजनक है। नागरिक अपने मोबाइल फोन के माध्यम से भी आसानी से स्व–गणना कर एसई आईडी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने व्यापारियों, कर्मचारियों और आमजन से अपील करते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर स्व–गणना कर राष्ट्र निर्माण के इस महत्वपूर्ण अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। नगर पालिका परिसर में स्व–गणना को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिला। अधिकारियों ने लोगों को ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी भी दी और अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया।

अपना दल एस की बैठक में संगठन मजबूती पर दिया बल

- पदाधिकारी अपने क्षेत्र में नियुक्त करेंगे बूथ व सेक्टर अध्यक्ष
- कार्यकर्ता घरों व गाड़ियों में लगाये नेम प्लेट व झंडा-स्टीकर

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। अपना दल एस की जिला कार्यकारणी की बैठक जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें संगठन मजबूती पर चर्चा करने के साथ आगामी विधानसभा तैयारियों को लेकर रणनीति तय की गई। गुरुवार को पटेल नगर स्थित कैम्प कार्यालय में अयोनित बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र पटेल ने कार्यक्रतओ से आह्वान किया कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव को देखते हुए तैयारियों में जुट जाये। बैठक में निर्णय किया गया कि सभी पदाधिकारी अपने अपने क्षेत्रों के सेक्टर व बूथ अध्यक्ष नियुक्त करेंगे। विधानसभा को मजबूत करने के लिये विधानसभा अध्यक्ष जल्द से जल्द अपनी कमेटियां गठित कर उन्हें जिलाध्यक्ष के पास अनुमोदन के

लिए भेजे। अब तक जितने जोनल अध्यक्ष बने है उनकी लिस्ट कार्यालय भेजी जाय। सभी पदाधिकारी अपनी गाड़ी में पार्टी के झंडा व अपने घरों के दरवाजों पर नेम प्लेट झंडा व स्टीकर अवश्य लगवाए, विधानसभा अध्यक्ष विधानसभा जोनल अध्यक्षों के साथ बैठक करे। सभी विधानसभा अध्यक्ष कार्रवाई रजिस्टर अवश्य बनायें, सभी विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ता सम्मेलन की करना व साइकिल एव मोटर साइकिल जुलूस निकाले जाने समेत अन्य कार्यक्रमो की रूपरेखा बनाई गयी। इस मौके पर योगेंद्र सिंह राणा, सर्वेश पटेल, सुमन सिंह, बृजेश पाल, अरुण पटेल, शिवसागर निषाद, अनिल उमराव, लाखन पटेल, शिव सिंह, हेमंत पटेल, रेणु देवी, कांति कुशवाहा, विनोद कुशवाहा, पुष्पराज सिंह, कमल सिंह, राजेन्द्र प्रताप, अभय सिंह, बीरेंद्र सिंह पटेल, राजेश पटेल, शिवम पटेल, हंसराज पाल, राम सिंह पाल, देवांशु पटेल, राजू पटेल, सुनील पटेल आदि रहे। संचालन जिला महासचिव अरुन पटेल ने किया।

नौ मई को युवा व खेल दिवस के रूप में होगा आयोजन

- 07 से 21 मई तक घर बैठे स्वयं कर सकेंगे जनगणना
- डिजिटल व्यवस्था से होगी जनगणना, प्रशासन ने शुरू किया जागरूकता अभियान

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना को लेकर प्रशासन ने व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) अभिनव रंजन श्रीवास्तव द्वारा जारी जानकारी के अनुसार 22 मई से 20 जून 2026 तक प्रगणक घर–घर जाकर भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करेंगे। प्रशासन ने बताया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना भर नहीं है, बल्कि यह आयु, लिंग, साक्षरता, आर्थिक गतिविधियों सहित महत्वपूर्ण सामाजिक एवं आर्थिक आंकड़ों के संग्रह की प्रमुख प्रक्रिया है। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर भविष्य की सरकारी योजनाओं एवं नीतियों का निर्धारण किया जाता है। इस बार भारत सरकार ने जनगणना को डिजिटल माध्यम से कराने का निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत 07 मई से 21 मई तक नागरिकों को स्वयं गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे लोग घर बैठे अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे। सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों को किया जाएगा जागरूक जनपद स्तर पर 14 दिवसीय विशेष जनजागरूकता एवं सहभागिता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में 09 मई को युवा एवं खेल दिवस, सामुदायिक संस्थान एवं मीडिया दिवस के रूप में मनाया जाएगा। प्रशासन ने मीडिया कर्मियों, सामाजिक संगठनों एवं युवाओं से स्वयं पोर्टल पर जाकर अपनी गणना करने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की है। नागरिक भारत सरकार के पोर्टल स्वयं गणना पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। पूरी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद एक

पहचान संख्या जारी होगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक होगा तथा प्रगणक को उपलब्ध कराना होगा। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि स्वयं गणना करते समय की तस्वीरें सोशल मीडिया एवं व्हाट्सएप स्थिति पर साझा कर अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता पहुंचाने में सहयोग करें। यदि स्वयं गणना में किसी प्रकार की समस्या आती है तो कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 05688– 297625 एवं 05688–297627 पर संपर्क किया जा सकता है। प्रशासन ने इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को सफल बनाने के लिए जनसहयोग की अपेक्षा की है।

तीन मामलों में 13 हजार 500 रुपये जुर्माना व कारावास

न्यूज वाणी ब्यूरो/बांदा। पुलिस महानिदेशक के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत कड़ी सजा दिलाये जाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के कुशल निर्देशन में त्वरित एवं निष्पक्ष विवेचना, प्रभावी अभियोजन एवं पैरवी के फलस्वरुप तीन अलग–अलग मामलों में कुल 13 हजार 500 रुपये जुर्मानें व कारावास से दण्डित कराया गया। थाना मटौंध में पंजी.त अभियोग मु0अ0सं0 (एनसीआर) 116/13 धारा 323/504 भादावि के अभियुक्त आशुतोष उर्फ पिन्टू पुत्र रमाशंकर निवासी त्रिवेणी थाना मटौंध को 2500 रुपये से के जुर्माने दण्डित कराया गया। थाना तिन्दवारी में पंजी.त अभियोग मु0अ0सं0– 78/25 धारा 60 आबकारी अधिनियम के अभियुक्त सुखवीर पुत्र बुद्ध निवासी गोखरही थाना तिन्दवारी को 5000 रुपये से के जुर्माने दण्डित कराया गया। थाना कोतवाली नगर में पंजी.त अभियोग मु0अ0सं0– 231/01 धारा 457, 380, 411 भादावि के अभियुक्त राजेश पुत्र पुन्ना निवासी चिल्ली थाना कोतवाली देहात को 01 वर्ष 03 माह के कारावास व 06 हजार रुपये से के जुर्माने दण्डित कराया गया।

फतेहपुर में वन्यजीव तस्करी का काला खेल! खुलेआम बिक रहे तोते के बच्चे और कछुए, जिम्मेदार विभाग मौन

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। जनपद में वन्यजीव संरक्षण कानूनों को ठेंगा दिखाते हुए चोरी–छिपे तोते के बच्चे और कछुओं की अवैध बिक्री का धंधा तेजी से फल–फूल रहा है। शहर से लेकर कस्बाई इलाकों तक कथित रूप से कुछ लोग गुप्त तरीके से प्रतिबंधित पक्षियों और जीवों की खरीद–फरोख्त कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं। सूत्रों के अनुसार सुबह और शाम के समय कुछ स्थानों पर पिंजरों में बंद तोते के बच्चे और छोटे कछुए ग्राहकों को ऊंचे दामों में बेचे जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि वन विभाग, स्थानीय प्रशासन और वन्यजीव तस्करी पर कार्रवाई करने वाली एजेंसियों को इसकी भनक तक नहीं लग रही, या फिर जानबूझकर कार्रवाई से दूरी बनाई जा रही है। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार तोते और कई प्रजाति के कछुओं की खरीद–बिक्री भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत प्रतिबंधित है। इसके बावजूद जनपद में खुलेआम यह अवैध कारोबार चलना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रहती है।

जानकारों की मानें तो इन मासूम जीवों को पकड़ने के दौरान बड़ी संख्या में उनकी मौत भी हो जाती है। तस्कर जंगलों और ग्रामीण इलाकों से बच्चों को पकड़कर बाजारों तक पहुंचाते हैं, जहां इन्हें शौक के नाम पर बेचा जाता है। इससे वन्यजीवों की संख्या पर भी बुरा असर पड़ रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब समय–समय पर वन विभाग और अन्य एजेंसियां अभियान चलाने का दावा करती हैं, तो फिर यह अवैध कारोबार आखिर किसके संरक्षण में फल–फूल रहा है? लोगों ने जिलाधिकारी और उच्च अधिकारियों से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सभी जनपदों में सूचना संकुल स्थापना की मांग, सीएम को भेजा पत्र

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। साइबर जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में सूचना संकुल स्थापित किए जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजा है। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव शीबू खान की ओर से भेजे गए पत्र में पत्रकारों और मीडिया कर्मियों के लिए बेहतर कार्य व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग उठाई गई है। पत्र में कहा गया कि प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2015 में सभी जिलों में सूचना संकुल स्थापित करने की घोषणा की गई थी, लेकिन अब तक इस दिशा में जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। शासन के तत्कालीन परिपत्र का हवाला देते हुए कहा गया कि प्रत्येक जनपद में जिला सूचना कार्यालय, मीडिया कर्मियों के लिए सूचना केंद्र तथा प्रेस वार्ताओं हेतु सुसज्जित मीडिया सेंटर स्थापित किए जाने के निर्देश दिए गए थे। संगठन ने कहा कि सूचना संकुल स्थापित होने से पत्रकारों को बेहतर कार्यस्थल मिलेगा और शासन–प्रशासन तथा मीडिया के बीच संवाद व्यवस्था और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनेगी। साथ ही डिजिटल एवं साइबर पत्रकारिता के बढ़ते दायरे को देखते हुए केंद्री.त सूचना तंत्र की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस की जा रही है। पत्र में मुख्यमंत्री से मांग की गई है कि इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर पुनः सक्रिय करते हुए प्रदेश के सभी जनपदों में सूचना संकुल स्थापित कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं, ताकि पत्रकारिता जगत को मजबूत आधार मिल सके और सरकारी सूचनाएं आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंच सकें।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु बैठक सम्पन्न

न्यूज वाणी ब्यूरो

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 09 मई के सफल आयोजन एवं अधिकाधिक वादों के निस्तारण के उद्देश्य से आज 07 मई को अपरान्ह 01 बजे जनपद न्यायालय परिसर में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ. बब्बू सारंग की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में अपर जिलाधिकारीगण, पुलिस अधीक्षक नगर, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (ए.आर.टी.ओ.), अपर नगर आयुक्त, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर निगम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किये गये तथा अधिक से अधिक वादों के निस्तारण पर विशेष बल दिया गया, जिससे आमजन को त्वरित, सुलभ एवं सस्ता न्याय प्राप्त हो सके। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव योगेश शिवा द्वारा अधिकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व एवं उसकी उपयोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश देवदत्त द्वारा समस्त विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अधिकाधिक प्रकरणों को राष्ट्रीय लोक अदालत में संदर्भित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में उपस्थित अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान किये जाने का आश्वासन भी दिया गया।

तमंचा-कारतूस के साथ शातिर गिरफ्तार

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना किशनपुर पुलिस ने गुरुवार को एक शातिर अभियुक्त को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरतार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय भेज दिया।

जानकारी के अनुसार थाना किशनपुर पुलिस टीम ने अभियान के दौरान शिव औतार उर्फ शिवा निषाद पुत्र राम प्रकाश निषाद निवासी बडहर का पुरवा सुरवल थाना सरधुआ जनपद चित्रकूट को गिरतार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध तमंचा 315 बोर तथा एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। गिरतारी और बरामदगी के आधार पर थाना किशनपुर में मु0अ0सं0 116/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा पंजी.त किया गया। पुलिस ने आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय रवाना कर दिया। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक भुवनेष्वर यादव, उपनिरीक्षक तहसीलदार तिवारी, कांस्टेबल अमन कुमार शामिल रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अलशिफा परवीन पुत्री इशितयाक अहमद मोहल्ला इमामगंज फतेहपुर की मूल निवासी हैं अलशिफा परवीन का जन्म दिनांक 02/02 /2015 को उनके निज निवास मोहल्ला इमामगंज फतेहपुर में घर पर हुआ था जानकारी न होने कारण प्रार्थी जन्म प्रमाण पत्र नहीं बनवा सका था ना ही किसी संस्था लोकवाणी केंद्र से अभी तक नहीं बनवाया है इनका जन्म घर में ही हुआ था अलशिफा परवीन की माता का नाम परवीन है प्रार्थी की पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र बनना अति आवश्यक है अतः श्रीमान जी से निवेदन है कि प्रार्थी की पुत्री अलशिफा परवीन का जन्म प्रमाण पत्र बनाने की कृपा करें जिसका जन्म तिथि 02/02/2015 है प्रार्थी इशितयाक अहमद निवासी मुहल्ला इमामगंज थाना कोतवाली जनपद फतेहपुर मो0 985118416

उत्तर मध्य रेलवे
L/No. 220-E/Med/Investigation Date : 05.05.2026
अभिव्यक्ति की रूचि
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निर्धारित प्रोफोर्मा पर निम्नलिखित सील बंद रूचि कि अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती हैः-
कार्य का विवरण : फतेहपुर स्वास्थ्य इकाई के मरीजों को सीजीएचएस/नॉन-एनएबीएल/ एनएबीएल 2025 दर पर निदान सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित, पंजीकृत और लाइसेंस प्राप्त निदान केंद्रों से पैनल में शामिल होने हेतु रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है।
अवधि : कार्य आरंभ होने की तारीख से 2 वर्ष | कार्य की अनुमानित लागत : कोई नहीं
बयाना राशि : कोई नहीं | टेंडर फॉर्म की लागत : कोई नहीं
टेंडर फॉर्म को प्राप्त करने हेतु दिनांक और समय : मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय, मंडल चिकित्सालय उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज से किसी भी कार्य दिवस को दिनांक तक 03.06.2026 से 13.05.2026 समय 11:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।
टेंडर बॉक्स का स्थान : मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय मंडल चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
टेंडर दस्तावेजों को भेजने की तिथि और समय : 03.06.2026 तक समय 12:00 बजे तक।
998/26 (AS)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

न्यूज़ वाणी
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
राज्य सरकार व केंद्र सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु सूचीबद्ध
समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें
सूचना, मार्कशीट, सम्बन्ध विच्छेदन, खोया पाया, कोर्ट नोटिस, टेन्डर आदि
09451548620, 9451180488

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक न्यूज वाणी में समाचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
11 वर्षों से आपकी सेवा में तत्पर
फतेहपुर की मशहूर व पुरानी दुकान
जाफ़री चश्में वाले
थोक व फुटकर चश्में
39, नवीन मार्केट, पुराना R.T.O. आफिस
करूणा जीवन ज्योति नर्सिंग होम के सामने
(निकट पत्थर कटा चौराहा), फतेहपुर (उ.प्र.)
कानपुर के मशहूर डॉक्टर द्वारा आपरेशन की सुविधा।
नोट- डाक्टर का पर्चा लाने पर मात्र आधे घण्टे में चश्मा व 10 प्रतिशत की छूट सहित प्राप्त करें।
कान की मशीन मात्र 450/- में
कान्टेक्ट लेंस मात्र 350/- में
सम्पर्क सूत्र : 05180-228339, 9451548620
प्रो. नफीस अहमद जाफ़री
संपादक–राष्ट्रीय हिंदी दैनिक न्यूज वाणी

टीबी हारेगा, देश जीतेगा के नारे को करें साकार

– मदर सुहाग एजूकेशन इंटर कालेज में बच्चों को किया जागरूक

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। मदर सुहाग एजूकेशन इंटर कालेज बाईपास में सौ दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत उपस्थित छात्रों को जिला क्षयरोग अधिकारी ने टीबी रोग के प्रति जागरूक किया। उन्होंनें बताया कि जनपद में 24 मार्च से अभियान चल रहा है। जिसमें टीबी के लक्षण जैसे दो हते से लगातार खांसी आना, बुखार का आना, रात में पसीना आना, बलगम या बलगम के साथ खून का आना, सीने में दर्द होना, वजन का कम होना, मूख न लगना, गर्दन में गिल्टी/गांठे आदि लक्षण होने पर अपने पास के किसी भी सरकारी हास्पिटल में जाकर बलगम की जांच करायें। यदि जांच में टीबी की पुष्टि होती है तो सरकारी हास्पिटल से निःशुल्क दवा शुरू करें। साथ ही भारत सरकार एक अप्रैल 2018 से प्रत्येक टीबी मरीज को इलाज के दौरान सरकारी व प्राइवेट 1000 रूपए पोषण आहार के लिये प्रतिमाह दिया जाता है। साथ ही विद्यालय के छात्रों ने भी टीबी के बारे में अपने–अपने विचार रखे। अंत में सभी उपस्थित छात्रों एवं शिक्षकों अनुरोध किया कि इस जानकारी को अपने तक न सीमित रखके इस जानकारी को अपने आस–पास के लोगों को भी दे जिससे कि आम जनमानस टीबी के प्रति जागरूक हो सके तथा माननीय प्रधानमंत्री जी के संकल्प को साकार किया जा सकें। आप सभी के सहयोग से टीबी हारेगा, देश जीतेगा के नारे को साकार किया जा सकता है।

भूत से पुलिस की मुठभेड़, दोनों पैर में लगी गोली

- मंगेतर के सामने युवती से गैंगरेप के मामले में जंगल से दबोचा आरोपी

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। खागा कोतवाली क्षेत्र में मंगेतर के सामने युवती से सामूहिक दुष्कर्म की सनसनीखेज वारदात में फरार चल रहे एक लाख रुपये के इनामी आरोपी बबलू सिंह उर्फ भूत को पुलिस ने देर रात मुठभेड़ के बाद गिरतार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस गिरतारी को पुलिस बड़ी सफलता मान रही है, क्योंकि चर्चित गैंगरेप कांड के बाद से पूरे जिले में भारी आक्रोश था और आरोपी की गिरतारी को लेकर लगातार पुलिस पर दबाव बढ़ रहा था। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि 06/07 मई की रात सूचना मिली थी कि खागा प्रकरण का एक लाख रुपये का इनामी अभियुक्त बबलू सिंह उर्फ भूत खागा क्षेत्र स्थित ससुर खदेरी नदी के किनारे जंगल में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना खागा, हथगांव, थरियांव पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त रूप से इलाके की घेराबंदी कर कॉम्बिंग अभियान शुरू किया। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम को देखते ही आरोपी ने अपने अवैध तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी और अंधेरे का फायदा उठाकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें गोली आरोपी के दोनों पैरों में लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस टीम ने उसे मौके से दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तमंचा और कारतूस भी बरामद किए हैं। अधिकारियों के मुताबिक बबलू सिंह पर पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरतारी पर पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

जिले को झकझोर देने वाली थी वारदात

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले खागा कोतवाली क्षेत्र में युवती अपने मंगेतर के साथ मौजूद थी, तभी दबंगों ने दोनों को रोक लिया था। आरोप है कि मंगेतर को बंधक बनाकर युवती के साथ गैंगरेप किया गया। घटना सामने आने के बाद जिलेभर में सनसनी फैल गई थी। विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए आरोपियों की जल्द गिरतारी की मांग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने कई टीमों का गठन किया था। लगातार दबिश और तलाश के बावजूद बबलू सिंह पुलिस की पकड़ से बाहर था। इसके बाद उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

आज कोर्ट में पेश करेगी पुलिस

मुठभेड़ में घायल आरोपी को प्राथमिक उपचार के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर रिमांड लेने की कार्रवाई की जाएगी, ताकि मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और साक्ष्यों को जुटाया जा सके।

बाइकों की भिड़ंत में युवक की मौत

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। खागा कोतवाली क्षेत्र के छीमी पुरइन एचएन–2 पर गुरूवार की दोपहर बाइकों की भिड़ंत में 35 वर्षीय युवक की घटनास्थल पर मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार खागा कोतवाली के ग्राम बेंचू का पुरवा मजरे करमेपुर गांव निवासी कामता प्रसाद का पुत्र भैरव प्रसाद गुरूवार की दोपहर की बाइक से किसी काम से जा रहा था। जब वह छीमी पुरइन के समीप एनएच–2 पर पहुंचा तभी सामने से तेज रतार आ रही बाइक से भिड़ंत हो गयी। जिससे भैरव प्रसाद की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। सूचना पाकर मौके में पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। घटना के बाबत जानकारी पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के मामा मनोहर ने दी है।

संदिग्ध हालत महिला ने जहर खाकर दी जान

– मामा ने पति सहित ससुरालीजनों पर मार डालने का लगाया आरोप

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चौधकियापुर में संदिग्ध परिस्थितियों में 22 वर्षीय महिला ने जरीला पदार्थ खा लिया। जिसको इलाज के लिए कानपुर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गयी। मृतका के मामा ने पति समेत ससुरालीजनों पर मारने पीटने व जबरन जहर खिलाकर मार डालने का आरोप लगाया है। वहीं पुलिस ने पति सास, ससुर व जेठ को पूंछतांछ हेतु हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार चौधकियापुर गांव निवासी अंशू की पत्नी राधा देवी ने बुधवार की शाम संदिग्ध अवस्था में जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ समय बाद जब उसकी हालत बिगडने लगी तो ससुरालीजन उसे शहर के लोधीगंज स्थित नैंसी हास्पिटल में भर्ती कराया। जहां हालत न ठीक होने पर भोर पहर कानपुर के लिए रेफर कर दिया। तभी रास्ते में महिला ने दम तोड़ दिया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मृतका का मामा लालमन निवासी बेरूईहार थाना कोतवाली ने पति व ससुरालीजनों पर आरोप लगाते हुए बताया कि उसने अपनी भांजी की शादी 5 जून 2020 में की थी। साथ ही हैसियत के अनुसार अच्छा दहेज दिया था लेकिन संतान न होने के कारण पति उसको बेरहमी से पीटता था उसने आरोप यह भी लगाया कि दो दिन पूर्व उसकी भांजी गांव में ही रिश्तेदारी में शादी में आई थी। बताते है कि कल पति आया शराब के नशे में और जबरन उसे लेकर ससुराल ले आया और पानी वाले पाईप से जमकर पिटाई कर दी और जबरन उसके मुह में जहर डाल दिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उसने यह भी बताया कि हालत बिगडने पर पति अपने ही जान पहचान व दूर के रिश्तेदार लगने वाले नैन्सी हास्पिटल ले गये जहां हस्पिटल संचालक विनय लोधी यहां ले गया। जहां उसकी हालत और बिगड़ गयी। सुबह कानपुर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

विद्यालयों में लगा विधिक जागरूकता का शिविर

– छात्रों को दिए कानूनी अधिकारों के टिप्स

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से गुरुवार को एचएनबी बहुगुणा इंटर कॉलेज एवं पीसीपी इंटर कॉलेज हुसैनगंज में विशेष विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर का शुभारंभ पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पलाश गांगुली ने किया। इस दौरान उन्होंने छात्र–छात्राओं एवं उपस्थित लोगों को विधिक अधिकारों, सुलह–समझौता केंद्र तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आपसी विवादों के समाधान के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित सुलह समझौता केंद्र का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए, जिससे विवादों का शांतिपूर्ण निस्तारण हो सके। सचिव श्री गांगुली ने बताया कि प्रत्येक तहसील स्तर पर पराविधिक स्वयं सेवकों की तैनाती की गई है, ताकि आमजन को सुलभ एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराया जा सके। कार्यक्रम का संचालन पराविधिक स्वयंसेवक अवधेश कुमार, अजमेर एवं शेखर ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन की ओर से अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं प्रधानाचार्य ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए छात्रों से विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ, पराविधिक स्वयं सेवक एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहीं।

डीएम व सीडीओ ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

- मरीजों से जाना हाल, बाहर की दवा लिखने पर सख्त निर्देश

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स व मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना ने गुरुवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों और विभागों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की पड़ताल की तथा मरीजों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पंजीकरण कक्ष पहुंचकर पुरुष एवं महिला मरीजों की संख्या और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने कंसोल कक्ष, एआरटी सेंटर और सिटी स्कैन कक्ष का निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर में मौजूद मरीजों से बातचीत कर उपचार और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। महिला वार्ड में पहुंचकर डीएम ने फायर सेटी, पेयजल, वायरिंग, पंखों की स्थिति समेत अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि भर्ती मरीजों को समय पर भोजन और सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। एनआईसीयू वार्ड में भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के साथ रजिस्टर भी चेक किया गया। आयुष्मान वार्ड और ऑपरेशन थिएटर का निरीक्षण करते हुए उन्होंने चिकित्सकों की उपलब्धता और ओपीडी व्यवस्था की जानकारी ली। लेबर रूम के निरीक्षण के दौरान इंचार्ज द्वारा प्रतिमाह लगभग तीन सौ डिलीवरी होने की जानकारी देने पर जिलाधिकारी ने संस्थागत प्रसव बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी आशाओं को चिन्हित किया जाए जिन्होंने पिछले महीने एक भी डिलीवरी नहीं कराई है। इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब में मशीनों की कार्यशीलता और होने वाले टेस्टों की जानकारी ली गई। रक्त केंद्र में होने वाली जांचों की भी समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान आरईडी द्वारा निर्मित एनआरसी भवन का अवलोकन कर अधिशासी अभियंता द्वारा कराए गए कार्यों की सराहना की गई। जिलाधिकारी ने जन औषधि केंद्र का निरीक्षण करते हुए दवाओं के वितरण की जानकारी ली और चिकित्सकों को सख्त निर्देश दिए कि मरीजों के पर्चे पर बाहर की दवाएं न लिखी जाएं। इस दौरान सीएमएस डॉ. राजेश कुमार समेत स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

घायल किशोर की इलाज दौरान मौत

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। छिवलहा चौकी क्षेत्र व थाना हथगाम के अंतर्गत गोसाईं की सराय मजरे गौसपुर में बाइक सवार ने दस वर्षीय एक बालक को टक्कर मार दी और दूर तक घसीटते हुए ले गया। बाद में इलाज के दौरान बालक की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा सहित पोस्मार्टम की कार्यवाही पूरी की। मौके पर सब इंस्पेक्टर योगेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

जानकारी के अनुसार दीपक सविता का 10 वर्षीय पुत्र विहान नए प्लाट में सड़क के किनारे खड़ा था। तभी बाइक सवार ने पीछे से टक्कर मारते हुए दूर तक घसीट कर ले गया। घायल अवस्था में बालक को सदर अस्पताल ले जाया गया जहां से उसे कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया लेकिन बालक की जान नहीं बचाई जा सकी। दस वर्षीय विहान की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सब इंस्पेक्टर योगेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आगे की विधिक कार्यवाही पूरी की।

नौ मई को औरेई गांव में लगेगा मेगा हेल्थ कैंप

- विशेषज्ञ डॉक्टर करेंगे जांच, उठाएं लाभ

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। सदर विधानसभा क्षेत्र के विकास खंड हसवा अंतर्गत ग्राम औरेई में आगामी नौ मई को विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर (मेगा हेल्थ कैंप) का आयोजन किया जाएगा। यह स्वास्थ्य शिविर प्रातः आठ बजे से दोपहर दो बजे तक आयोजित होगा। कार्यक्रम का आयोजन लाल बहादुर शास्त्री चैरिटेबल ट्रस्ट नई दिल्ली सहयोगी संस्था जन कल्याण महासमिति एवं ग्राम पंचायत औरेई के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विभाकर शास्त्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं विराज शास्त्री सहित कई गणमान्य लोगों की विशेष उपस्थिति रहेगी। स्वास्थ्य शिविर के संयोजक एवं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दीपक द्विवेदी उर्फ बचोले ने अपनी टीम के साथ कैंप स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया। शिविर संयोजक धनंजय द्विवेदी ने बताया कि कैंप में अनुभवी एवं योग्य चिकित्सकों द्वारा मरीजों की ओपीडी की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को चिकित्सा परामर्श, आवश्यक स्वास्थ्य जांच, आंख एवं कान की विशेष जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि शिविर में जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क चश्मा एवं कान की मशीन भी वितरित की जाएगी। इसके अलावा चिकित्सकों द्वारा लिखी गई जांच एवं दवाइयां भी पूरी तरह मुत उपलब्ध कराई जाएंगी। आयोजकों ने क्षेत्र एवं ग्राम पंचायत के सभी सम्मानित नागरिकों, मातृशक्ति, भाइयों एवं बहनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। गौरतलब है कि स्वास्थ्य शिविर के संयोजक धनंजय द्विवेदी वर्तमान में भाजपा मीडिया विभाग के जिला संयोजक हैं। इसके अलावा वह पूर्व नगर अध्यक्ष फतेहपुर उत्तर भाजपा, पूर्व सभासद नगर पालिका परिषद एवं पूर्व विधानसभा प्रभारी सदर जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं।

जिले में तेरह एग्री जंक्शन केन्द्र खोलने का प्रस्ताव

- तीस मई तक आवेदन करें कृषि स्नातक

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। उप .षि निदेशक ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा .षि स्नातकों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा किसानों को गुणवत्तापूर्ण .षि निवेश के साथ–साथ .षि प्रसार सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशिक्षित .षि उद्यमी स्वावलम्बन (एग्रीजंक्शन) योजना संचालित है। जनपद में वर्ष 2026–27 में कुल 13 एग्री जंक्शन केन्द्र खोलने का प्रस्ताव है।

उन्होने बताया कि जिले में निवास करने वाले बेरोजगार जो .षि एवं सहबद्ध विषयों यथा .षि व्यवसाय प्रबन्धन–उद्यान, पशुपालन, वानिकी, दुग्ध, पशुचिकित्सा, मुर्गी पालन, जो .षि एवं सहबद्ध विषयों यथा .षि व्यवसाय प्रबन्धन, उद्यान, पशुपालन, वानिकी, दुग्ध, पशुचिकत्सा, मुर्गी पालन जो किसी राज्य/केन्द्रीय विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालयों से डिग्रीधारी हैं जो आई०सी०ए०आर० व यू०जी०सी० द्वारा मान्यता प्राप्त हों, इस योजना के पात्र होंगे। आयु 40 वर्ष से अधिक न हो अनुसूचित जाति, जनजाति एवं महिलाओं को आयु में अधिकतम 05 वर्ष की छूट है। जनपद स्तर पर जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा लाभार्थियों का चयन किया जायेगा। आवेदनकर्ता द्वारा विभागीय वेबसाइट पर दिये गए लिंक के माध्यम से ऑनलाइन किया जायेगा। आवेदन हेतु जन्म प्रमाण पत्र (हाईस्कूल मार्कसीट), आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, पैन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, शपथ–पत्र, इंटरमीडिएट मार्कसीट, स्नातक मार्कशीट आदि आवश्यक दस्तावेज की ऑनलाइन करने हेतु जरूरत होगी। आवेदन करने की अन्तिम तिथि 30 मई है। आवेदन करने हेतु कोई भी शुल्क देय नहीं होगा। इच्छुक .षि स्नातक उपरोक्त विभागीय वेबसाइड पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

फॉर्मर रजिस्ट्री में लापरवाही पर तीन अधिकारियों का रुका वेतन

न्यूज वाणी ब्यूरो

फतेहपुर। जनपद में चल रहे फॉर्मर रजिस्ट्री अभियान की प्रगति को लेकर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने गुरुवार को तहसीलवार ऑनलाइन समीक्षा बैठक की। बैठक में कार्यों में शिथिलता मिलने पर उन्होंने कड़ा रुख अपनाते हुए बीडीओ विजयीपुर, बीडीओ बहुआ और एआर कोऑपरेटिव के अनुपस्थित रहने पर एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम और खंड विकास अधिकारियों से ग्रामसभा स्तर पर फॉर्मर रजिस्ट्री और जनगणना संबंधी कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि डीडीएजी द्वारा उपलब्ध कराई गई ग्रामसभा वार सूची के अनुसार सभी एसडीएम लेखपालों के साथ नियमित समीक्षा करें और कार्य में तेजी लाएं। डीएम ने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने–अपने विकास खंडों में मृतकों के मृत्यु प्रमाणपत्र संकलित कर संबंधित तहसीलदार को सूची उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी बीडीओ मृतकों की सूची सीधे डीडीएजी को नहीं देगा, बल्कि समस्त सूची संबंधित तहसीलदार को ही सौंपी जाएगी। बैठक में जिलाधिकारी ने ब्लॉकवार मृतकों की संख्या की भी जानकारी ली और कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले इस अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को पूरी तल्लीनता और ईमानदारी के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

घर-घर पहुंचा नल का जल, बदली गांव की तस्वीर

- जल जीवन मिशन के प्रभाव का विश्वविद्यालय टीम ने किया मूल्यांकन

- ग्रामीणों ने बताया, अब नहीं लगानी पड़ती पानी के लिए लाइन

न्यूज वाणी ब्यूरो/फतेहपुर। जल जीवन मिशन के तहत गांवों में पहुंच रहे शुद्ध पेयजल का असर अब ग्रामीणों की जिंदगी में साफ दिखाई देने लगा है। गुरुवार को विकास खंड भिटौरा के ग्राम पंचायत लतीफपुर और सरैला में प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज की टीम ने योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर प्रभाव का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि घर–घर नल कनेक्शन मिलने से अब उन्हें पानी के लिए हैंडपंप और कुओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। विश्वविद्यालय की टीम ने जल टंकियों, पाइपलाइन नेटवर्क और पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की तकनीकी समीक्षा की। साथ ही ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, ग्राम प्रधानों और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर योजना के लाभ और जमीनी स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि पहले पानी भरने में काफी समय और मेहनत लगती थी। खासकर महिलाओं और बच्चों को रोजाना लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, लेकिन अब घर में ही स्वच्छ पानी मिलने से बड़ी राहत मिली है। लोगों ने कहा कि समय की बचत होने के साथ जलजनित बीमारियों में भी कमी आई है और जीवन स्तर में सुधार हुआ है। निरीक्षण टीम में विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ डॉ. अशोक मौर्या के साथ मुकेश कुमार कन्नौजिया, अभिजात सिंह, अभिजीत तिवारी और सौरभ सिंह शामिल रहे। वहीं मौके पर जिला समन्वयक राजमुनि यादव, अवर अभियंता पिंटू कुमार, आईएसए कोऑर्डिनेटर शिवबहादुर सिंह चंदेल, प्रोजेक्ट मैनेजर मो. सऊद सिद्दीकी, जीआईएस जितेंद्र, कंस्ट्रक्शन एजेंसी के लखेन्दर, ग्राम प्रधान सोमवती देवी, पंचायत सहायक आदित्य सिंह चौहान समेत ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य और ग्रामीण मौजूद रहे।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक, फतेहपुर किंग सेवा संस्थान के लिये नफीस अहमद जाफरी द्वारा जाफरी प्रिन्टर्स 170 महाजरी फतेहपुर उ0प्र0 से मुद्रित एंव प्रकाशित । सम्पादक नफीस अहमद जाफरी मो0 9451548620 R.N.I : UPHIN/ 2011/44792 (समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र फतेहपुर)